हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 312, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 6 मई, 2023 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

यूपी में माफिया राज खत्म अब गले में तख्ती लटकाए घूम रहे अपराधी : योगी

यूपी में पहले कर्फ्यू लगता था, 2017 के बाद यूपी में एक बार भी कर्फ्यू नहीं लगा

मेरठ। निकाय चुनाव प्रचार के लिए मेरठ पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिमखाना मैदान में जनसभा को संबोधित किया। भाजपा प्रत्याशी हरिकांत आहलूवालिया व पार्षदों के लिए क्रांतिधरा मेरठ पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज मेरठ की नई पहचान बनी है। मेरठ में सीएम योगी जनसभा खत्म हो गई और उनका हेलिकॉप्टर बुलंदशहर के लिए रवाना हो गया है।

सीएम योगी ने मेरठ को बताया नई पहचान- सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में कानून का राज है। वहीं उन्होंने कहा कि मेरठ आज नई पहचान बन रहा है। उन्होंने कहा कि आज यूपी की पहचान विकास है। सीएम योगी ने कहा अब कांवड़ यात्रा यूपी की पहचान है। साथ ही कहा कि अब माफिया नहीं महोत्सव यूपी की पहचान है।

सीएम बोले- बिना भेदभाव के हर योजना को कर रहे पूरा- मुख्यमंत्री ने कहा कि हम हर योजना को बिना भेदभाद के पूरा कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा सरकार के लिए लोगों में उत्साह है। कहा कि 2017 से पहले यूपी में किसानों को छला जाता था। उन्होंने कहा कि आज मेरठ में चारों तरफ सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यूपी में आज हर व्यक्ति को उसका हक मिल रहा है।

सीएम योगी बोले- 2017 से पहले यूपी में लगता था कर्फ्यू- सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले यूपी में कर्फ्यू लगता था। लेकिन 2017 से बाद से यूपी में एक बार भी कर्फ्यू नहीं लगा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में आज यूपी का विकास तेजी से हो रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा के दिन मुझे मेरठ में संवाद करने का अवसर मिला, यह मेरा सौभाग्य है।

उन्होंने कहा कि 10 मई को क्रांति दिवस है और 11 मई को मेरठ में चुनाव है। उन्होंने लोगों से अपील की कि सभी लोगों को चुनाव में भागीदार बनना है। उन्होंने कहा कि आपका वोट क्रांति को जन्म देगा। कहा कि विकास, सुसाशन, राष्ट्रवाद की क्रांति होगी। मुख्यमंत्री योगी ने सपा, बसपा, कांग्रेस और रालोद ने सोतीगंज की कालिख दी थी। हमने सोतीगंज का कलंक खत्म किया है। सपा, आरएलडी अवसरवादी, अराजकतावादी, अराजकता की जड़ है। हम मठ्ठा डालने का काम कर रहे तो परेशानी हो रही है। मेरठ, यूपी की आज सुशासन के नाम से पहचान है। उन्होंने कहा कि ये प्रधानमंत्री मोदी का विजन है। दुनिया संकटमोचक के रूप में देश और मोदी को देखती है। कहा कि 2014 के पहले अलग धारणा थी, अब परिवर्तन आया है। कहा कि आज यूपी में हाईवे, आईआईटी, आईआईएम बनाए जा रहे हैं। मेरठ को दिल्ली से जोड़ने के लिए 12 लेन एक्सप्रेसवे बन गया है। उन्होंने कहा कि अगले महीने रैपिड रेल का सफर शुरू हो जाएगा। मेरठ से प्रयागराज के लिए एक्सप्रेस में बन रहा है। सीएम योगी ने कहा कि मेरठ का प्रोडक्ट आज दुनिया में अपना स्थान बना रहा है। देश की पहली स्पोर्टस यूनिवर्सिटी मेरठ में बनने जा रही है। मेरठ के पुलिस ट्रेनिंग स्कूल को आधुनिक बनाया। कहा कि अमर शहीद धन सिंह गुर्जर के नाम पर उसका नाम रखा है। भगवान बुद्ध के संदेश को घर-घर पहुंचाने का काम किया है।

मणिपुर के बाद अब मेघालय में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच झड़प, 16 लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। मेघालय की राजधानी शिलांग में कुकी और मैतेई समुदाय के छात्रों के बीच शुक्रवार को झड़प हो गई। इस झड़प में पुलिस ने 16 लोगों को गिरफ्तार किया है। ये सभी शिलांग के कॉलेज और यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले छात्र है। पूर्वी खासी हिल्स जिले के पुलिस अधीक्षक सिल्वेस्टर नॉन्गटनर ने कहा- शिलांग के नॉनग्रिम हिल्स इलाके में मणिपुर के कुकी और मैतेई समुदाय के छात्रों के बीच गुरुवार की रात लड़ाई शुरू हुई। इस झड़प में दो लोगों को मामूली चोटें आई है। पुलिस ने मारपीट पर काबू पाने के बाद 16 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। मैतेई और आदिवासियों के बीच झड़प मणिपुर के विभिन्न इलाकों में जारी है। इस झड़प की शुरूआत मैतेई समुदाय के अनुसूचित जनजाति के में शामिल करने वाले रैली के साथ हुई थी।

गुजरात के 68 न्यायिक अधिकारियों की पदोन्नति को चुनौती देने वाली याचिका पर आठ मई को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सूरत के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हरीश हसमुखभाई वर्मा समेत गुजरात के 68 निचले न्यायिक अधिकारियों की कथित रूप से 'योग्यता-सह-वरिष्ठता सिद्धांत' की अवहेलना करने के आधार पर पदोन्नति को चुनौती देने वाली याचिका पर आठ मई को सुनवाई करेगा। जस्टिस एमआर शाह और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ एक मई को जिला न्यायाधीशों के उच्च कैडर में 68 न्यायिक अधिकारियों के चयन को चुनौती देने वाले वरिष्ठ सिविल जज कैडर के अधिकारियों रविकुमार महेता और सचिन प्रतापराय मेहता की याचिका पर मंगलवार को सुनवाई करेगी। वर्मा, सूरत के सीजेएम, जिला निचली न्यायपालिका के उन 68 अधिकारियों में से एक हैं, जिनकी पदोन्नति को महेता और मेहता ने चुनौती दी है, जो वर्तमान में गुजरात सरकार के कानूनी विभाग में अवर सचिव और राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण में सहायक निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। शीर्ष अदालत ने दो न्यायिक अधिकारियों की याचिका पर 13 अप्रैल को राज्य सरकार और गुजरात हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को नोटिस जारी किया था। अदालत ने 68 अधिकारियों को पदोन्नत करने के लिए 18 अप्रैल को दिए गए फैसले और आदेश की बहुत आलोचना की थी। पीठ ने कहा, 'हमारा प्रथम दृष्टया यह मानना है कि यह अदालत की प्रक्रिया और वर्तमान कार्यवाही का अतिक्रमण करने के अलावा और कुछ नहीं है। राज्य सरकार के सचिव को पदोन्नति देने और 18 अप्रैल 2023 की अधिसूचना जारी करने के मामले में दिखाई गई असाधारण तात्कालिकता के बारे में बताएं, जो कार्यवाही के अंतिम परिणाम के अधीन पदोन्नति प्रदान करती है। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल से विशेष रूप से इस बात पर जवाब दाखिल करने के लिए कहा था कि क्या पद पर पदोन्नति वरिष्ठता-सह-योग्यता या योग्यता-सह-वरिष्ठता के आधार पर दी जानी चाहिए और पूरी योग्यता सूची को रिकॉर्ड में रखा जाना चाहिए। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने 13 अप्रैल को दोनों न्यायिक अधिकारियों की याचिका पर नोटिस जारी किया था। याचिका में कहा गया है कि भर्ती नियमों के अनुसार जिला जज के पद को योग्यता-सह-वरिष्ठता के सिद्धांत के आधार पर 65 प्रतिशत आरक्षण रखते हुए और उपयुक्तता परीक्षा पास करके भरा जाना है, लेकिन योग्यता-सह-वरिष्ठता सिद्धांत को दरकिनार कर वरिष्ठता-सह-योग्यता के आधार पर नियुक्तियां की जा रही हैं। दोनों न्यायिक अधिकारियों ने 200 में से क्रमशः 135.5 अंक और 148.5 अंक प्राप्त किए थे। इसके बावजूद कम अंक वाले अभ्यर्थियों को जिला जज नियुक्त किया गया है। सीजेएम सूरत ने 23 मार्च को राहुल गांधी को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 499 और 500 के तहत दोषी ठहराते हुए उनकी 'मोदी उपनाम' टिप्पणी पर 2019 के आपराधिक मानहानि मामले में दो साल की जेल की सजा सुनाई थी।

पीएम ने किया 'द केरल स्टोरी' का जिक्र, बोले- फिल्म ने किया आतंकी साजिशों का खुलासा

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए पीएम मोदी का धुआंधार प्रचार जारी है। पीएम मोदी ने शुक्रवार को कर्नाटक के बेल्लारी में एक जनसभा को संबोधित किया। पीएम ने यहां भी कांग्रेस को बजरंग दल के मुद्दे पर आड़े हाथ लिया। इसके अलावा पीएम ने फिल्म 'The Kerala Story' का भी जिक्र किया। पीएम ने कहा कि फिल्म 'द केरल स्टोरी' इन दिनों चर्चा में है। ऐसा कहा जाता है कि फिल्म उस राज्य में आतंकी साजिशों का खुलासा करती है।

मेहनती, प्रतिभाशाली और बौद्धिक लोगों की खूबसूरत भूमि के लिए जाने जाने वाले राज्य केरल में कैसे आतंकवादी साजिशों को बढ़ावा दिया जा रहा है, इस फिल्म से पता चलता है। मोदी ने कहा कि चुनाव जीतने के लिए कांग्रेस पैसों के दम पर झूठे नैरेटिव गढ़ती है। बीते कई चुनावों से ऐसे ही झूठे नैरेटिव बनाकर, झूठे सर्वे करवा कर अपनी वाहवाही करती है। यहां कर्नाटक में भी कांग्रेस यही कर रही थी। वे मतदाताओं को भटका रहे हैं। कांग्रेस का घोषणापत्र तुष्टिकरण के लिए है, यह सिर्फ प्रतिबंधों के बारे में है। कर्नाटक के लोग उनकी तुष्टिकरण की राजनीति देख रहे हैं। मैं बजरंग बली का नारा लगाता हूं, वे मुझे नापसंद करते हैं। मोदी ने कहा कि आजादी के बाद से ही कांग्रेस ने देश की व्यवस्थाओं के साथ ही देश की राजनीति को भी भ्रष्ट करने का काम किया है। बीते कुछ वर्षों में कांग्रेस ने भारत की राजनीति में एक और बीमारी पैदा कर दी है। चुनाव जीतने के लिए कांग्रेस पैसों के दम पर अपने इको सिस्टम के जरिए झूठे नैरेटिव गढ़ती है। कांग्रेस की कोशिश होती है कि ऐसा करके वे जनता को भ्रमित कर दें।

हरदोई में भीषण हादसा, मौत बनकर दौड़ा अनियंत्रित ट्रक, चपेट में आने से चार की मौत

हरदोई। लोनार और सांडी में जगदीशपुर मार्ग पर चालक के नशे मे ट्रक दौड़ाने से बाइक सवार पिता- पुत्र सहित चार जानें चली गईं। एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद ट्रक खाई में पलट गया। लोनार में जगदीशपुर सांडी मार्ग पर शुक्रवार की सुबह एक ट्रक शाहाबाद तरफ से आ रहा था। जगदीशपुर नहर पुल के निकट ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार सांडी के मोहद्दीपुर के अमर सिंह उसके बेटे ऋतिक की मौत हो गई। पत्नी सुधा गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके बाद ट्रक ने आगे जाकर सैतिया पुर गांव के पास सड़क के किनारे खड़े ई-रिक्शा में टक्कर मारते हुए खाई में पलट गया। जिसमें ई रिक्शा पर बैठे सैतियापुर के हरिश्चंद उर्फ गड्डू , सुनील उर्फ पुजारी की मौत हो गई। घटना के बाद भागने का प्रयास कर रहे चालक को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। हादसे की सूचना मिलने पर

एसपी राजेश द्विवेदी ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायल सुधा का हाल जाना। उन्होंने लोनार कोतवाल विनोद यादव को स्वजन को सूचना देकर घायल को तत्काल लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कराने के निर्देश दिए।

राजौरी में सेना के पांच जवान बलिदान आतंकियों के खात्मे के लिए अभियान जारी

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के कंडी इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ में पांच जवान बलिदान हो गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए कहा कि सेना को राजौरी सेक्टर के कंडी जंगल में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में जानकारी मिली थी। विशेष सूचना पर एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। तलाशी के दौरान आतंकियों को सुरक्षाबलों ने घेर लिया और मुठभेड़ शुरू हो गई थी। अभी सेना का अभियान जारी है। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच शुक्रवार को मुठभेड़ हुई। तलाशी अभियान के दौरान आतंकियों ने जवाबी कार्रवाई में विस्फोटक से ब्लास्ट किया। इस हमले में दो जवान शहीद हो गए थे जबकि चार जवान घायल हो गए थे। घायल चार जवानों को उधमपुर के कमांड अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती किया गया है। इनमें से तीन जवानों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। इलाके में आतंकियों के समूह को सुरक्षाबलों ने घेर रखा है। सुबह से शुरू हुई ये मुठभेड़ अभी भी जारी है। सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला हुआ है। इलाके में 2 से 3 आतंकवादियों के छिपे होने की खबर मिली थी। जिसके बाद से सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया था। सुबह से जारी यह मुठभेड़ राजौरी जिले के बनयारी पर्वतीय क्षेत्र के डोक इलाके की बताई जा रही है। 20 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में हुए आतंकी हमले में सेना के पांच जवान बलिदान हो गए थे। इस हमले के बाद से ही भारतीय सेना लगातार आतंकियों के खिलाफ अभियान चला रही है। जम्मू-कश्मीर में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। इसके साथ ही बुधवार से ही घाटी के अलग-अलग इलाके में आतंकियों को ढेर करने का सिलसिला लगातार जारी है।

संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में वन कर्मियों के साथ मारपीट, 5 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में पुलिस ने वन अधिकारियों के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार करने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह घटना सोमवार और मंगलवार के बीच रात को संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान की है।

आरोपी तीन मोटरसाइकिलों पर आए थे, जहां वन अधिकारियों ने उन्हें येऊर प्रवेश द्वार पर रोक दिया था। वर्तक नगर थाने के थाना प्रभारी ने बताया कि यहां स्थानीय निवासियों, सरकारी अधिकारियों और विशेष अनुमति वाले लोगों को छोड़कर अन्य लोगों को शाम से सुबह तक इस जंगल में प्रवेश की अनुमति नहीं है। जब आरोपियों को जंगल के भीतर जाने की अनुमति नहीं मिली तो वे वन कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट करने लगे। उन्होंने कर्मियों को जान से मारने की धमकी भी दी थी। वन कर्मियों ने बताया कि मारपीट करने के बाद वे पहरेदारों को भगाकर जंगल में घुस गए। पांचों आरोपियों की पहचान नीलेश बादल, सूदन अली, प्रकाश सऊद, पवन लोखंडे और रोहित केदारे के तौर पर हुई है। इस मामले में फिलहाल अभी तक किसी के भी गिरफ्तार नहीं किया गया है। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे एक अस्पताल के पास कुछ दुकानों में आग लगने की घटना सामने आई है।

ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख अविनाश सावंत ने इसके बारे में जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि मानपाड़ा जंक्शन पर एक केक की दुकान और प्लाईवुड बेचने वाली एक इकाई में आग लग गई थी। हालांकि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। मौके पर दमकलकर्मी मौजूद हैं। आग बुझाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक इसके कारणों का पता नहीं चल पाया है।

मुरैना में जमीन विवाद को लेकर गोलीबारी छह लोगों की हत्या, दो की हालत गंभीर

प्रखर डेस्क/एजेंसी। मध्यप्रदेश के मुरैना में जमीनी विवाद में छह लोगों की गोली मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। गोलीबारी में छह लोगों की मौत हो गई है जबकि दो लोग गंभीर हैं। जानकारी के अनुसार जिले के सिंहोनिया थाना अंतर्गत लेपा गांव में शुक्रवार सुबह धीर सिंह ने हथियारों सहित गजेंद्र सिंह के घर पर पुरानी रंजिश को लेकर हमला किया था। दोनों परिवारों के बीच 2013 से घूरे पर कूड़ा डालने को लेकर विवाद चल रहा है। पुरानी रंजिश में धीर सिंह ने गजेंद्र सिंह के परिवार के छह लोगों को गोली मारी, जिनमें तीन महिला और तीन पुरुषों को गोली लगी। गोली लगने से तीन पुरुष और दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि एक महिला ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। फिलहाल दो गंभीर अस्पताल में भर्ती हैं। घटना के बाद गांव में तनाव के हालात हैं। भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

बताया जा रहा है कि घटना के बाद आरोपी गांव छोड़कर फरार हो गए हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है। वहीं, घायलों को पुलिस लाइन जिला चिकित्सालय में भर्ती किया गया है। जिले के प्रभारी पुलिस अधीक्षक ने घटना की गंभीरता को देखते हुए गांव में भारी संख्या में पुलिस बल भेजा है। विवाद के दौरान मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना का वीडियो भी बनाया है, जो कि सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया

जा रहा है कि 10 साल पहले 2013 में धीर सिंह तोमर और गजेंद्र सिंह तोमर के परिवार के बीच विवाद हुआ था, इस दौरान धीर सिंह के परिवार के दो लोगों की मौत हो गई थी। हत्या का आरोप गजेंद्र सिंह के परिवार पर लगा था। विवाद के बाद गजेंद्र सिंह का परिवार गांव छोड़कर दूसरी जगह रहने चला गया था, बाद कोर्ट में केस चला और फिर दोनों परिवारों ने सामाजिक तौर पर समझौता कर लिया था। सुलह होने के बाद गजेंद्र सिंह का परिवार लेपा गांव में फिर से रहने के लिए पहुंचा था। शुक्रवार सुबह पुराने जमीनी विवाद को लेकर धीर सिंह के परिवार के लोगों ने गजेंद्र सिंह के परिवार पर पहले लाठी डंडों से हमला किया, जब विवाद और बढ़ा तो धीर सिंह के पक्ष के श्यामू और अजीत ने मिलकर गजेंद्र सिंह और उसके परिवार पर गोलियां चलाना शुरू कर दी। इस दौरान तीन लोगों की गोली लगने से मौत हो गई, बाद में दो और लोगों ने दम तोड़ दिया। इस घटना में लेस कुमारी पत्नी वीरेंद्र सिंह, बबली पत्नी नरेंद्र सिंह तोमर,मधु कुमारी पत्नी सुनील तोमर, गजेंद्र सिंह पुत्र बदलू सिंह, सत्य प्रकाश पुत्र गजेंद्र सिंह, संजू पुत्र गजेंद्र सिंह की मौत हो गई है।घायलों में विनोद सिंह पुत्र सुरेश सिंह तोमर और वीरेंद्र पुत्र गजेंद्र सिंह शामिल हैं। बता दें लेपा गांव के पास ही भिडोसा गांव है, इसलिए इस गांव को लेपा भिड़ोसा गांव भी कहते हैं। भिडोसा गांव डाकू पान सिंह तोमर का पैतृक गांव है। पान सिंह तोमर का विवाद भी जमीनी विवाद के कारण डाकू बना था।

अदालत ने एक महिला को समय से पहले रिहा करने की दी अनुमति, कहा- यह समाज को उपदेश देने वाली संस्था नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महिला को समय से पहले रिहा करने की अनुमति दी। महिला अपने दो बेटों को जहर देकर मार डालने का दोषी ठहराए जाने के बाद 20 साल जेल की सजा काट ली है। शीर्ष अदालत ने फैसले के दौरान कहा कि यह नैतिकता और नीति शास्त्र पर समाज को "उपदेश" देने वाली संस्था नहीं है बल्कि कानून के शासन के तहत सोची-समझी उपस्थिति से बंधा हुआ है। शीर्ष अदालत ने मद्रास हाईकोर्ट के अगस्त 2019 के फैसले के खिलाफ महिला द्वारा दायर अपील पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की, जिसमें उसके दो बेटों की हत्या के लिए उसकी सजा को बरकरार रखा गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि महिला का एक पुरुष के साथ प्रेम संबंध था, जो उसे अक्सर धमकी देता था और इस वजह से उसने अपने बच्चों के साथ आत्महत्या करके अपनी जीवन लीला समाप्त करने का निर्णय लिया था। न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और न्यायमूर्ति ए अमानुल्लाह की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि महिला ने कीटनाशक खरीदा और मरने वाले दो बच्चों को दे दिया। जब उसने खुद जहर खाने की कोशिश की तो उसकी भतीजी ने उसे गिरा दिया। पीठ ने गुरुवार को दिए अपने फैसले में कहा, यह अदालत नैतिकता और नीति शास्त्र पर समाज को उपदेश देने वाली संस्था नहीं है और हम इस हिसाब से यह नहीं कह रहे हैं, बल्कि हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि हम कानून के शासन के तहत सोची-समझी उपस्थिति से बंधे हुए हैं। पीठ ने कहा कि महिला पहले ही लगभग 20 साल जेल में बिता चुकी है। उसने समय से पहले रिहाई के लिए आवेदन किया था, लेकिन राज्य स्तरीय समिति (एसएलसी) की सिफारिश को सितंबर 2019 में तमिलनाडु राज्य ने उसके द्वारा किए गए अपराध की प्रकृति को देखते हुए खारिज कर दिया था। शीर्ष अदालत ने हत्या के अपराध के लिए उसकी सजा में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

संपादकीय

जंग में साजिश

रूस ने आरोप लगाया कि यूक्रेन ने उसके राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हत्या के इरादे से दो जंगी ड्रोनों से क्रेमलिन पर हमला किया। हालांकि उन्हें निष्प्रभावी कर दिया गया और उसमें कोई हताहत नहीं हुआ। उधर यूक्रेन का कहना है कि इस हमले से उसका कोई लेना-देना नहीं है। रूस इसे लेकर कहानी बना रहा है, ताकि उसे उकसाया और नौ मई को होने वाली उसकी विजय दिवस परेड में व्यवधान डाली जा सके। मगर रूस ने इस आधार पर जवाबी कार्रवाई तेज कर दी है। यूक्रेन की कई जगहों पर हमले किए गए हैं, जिसमें अनेक लोगों के मरने की खबर है। दोनों देशों को यह जंग लड़ते करीब सवा साल होने आए, मगर अब तक इसे रोकने का कोई रास्ता नहीं तलाशा जा सका है। अब तो पश्चिमी देश भी खुल कर यूक्रेन के समर्थन में उतर आए हैं। इससे रूस की नाराजगी और बढ़ गई है। मगर यह लड़ाई इस स्तर पर पहुंच जाएगी कि रूस के राष्ट्राध्यक्ष को ही जान से मारने की साजिश रच दी जाएगी, इसका अंदाजा शायद किसी को न रहा होगा। हालांकि यह घटना अब भी बहुत सारे लोगों के लिए अबूझ पहेली की तरह बनी हुई है कि आखिर यूक्रेन ने यह साजिश रची क्यों। मगर एक तर्क यह है कि यूक्रेन को जिस तरह रूस ने तबाह कर दिया है और उसके करीब तीस फीसद हिस्से पर कब्जा जमा लिया है, उसमें उसकी खीज स्वाभाविक है। मगर जिस तरह क्रेमलिन की सुरक्षा-व्यवस्था चाक-चौबंद है, उसमें सेंध लगाना इतना आसान कैसे हो गया, यह एक सवाल बना हुआ है। इसलिए यह भी तर्क दिया जा रहा है कि इस हमले की रूपरेखा खुद रूस ने तैयार की हो, ताकि वह पश्चिमी देशों को बता सके कि यूक्रेन किस प्रकार की स्तरहीन कार्रवाई कर रहा है। इस घटना के पीछे उसका मकसद अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी यह दिखाना हो सकता है कि गलती उसकी नहीं, बल्कि यूक्रेन की ही है, जो अब आतंकवादी हरकतों पर उतर आया है। इसकी हकीकत क्या है, उस पर से पर्दा जब उठेगा, तब उठेगा या क्या पता कि कभी उठ ही न पाए। मगर इस युद्ध को लेकर एक सवाल बार-बार रेखांकित होता रहा है कि आज के समय में जब राष्ट्रों की हैसियत उनकी आर्थिक संपन्नता से आंकी जाती है और युद्ध का आखिरकार कोई हल निकलता नहीं, तब दोनों देश इतने लंबे समय से क्यों अपना धन इस पर बहा रहे हैं। फिर, इस युद्ध को रोकने के लिए गठित अंतरराष्ट्रीय संगठनों की प्रासंगिकता क्या रह गई है। यूक्रेन ने रूस से अलग होकर स्वतंत्र देश के रूप में अपनी पहचान कायम की थी। इस तरह उसे इस बात की लोकतांत्रिक आजादी है कि वह किन देशों के साथ निकटता रखे और किनके साथ दूरी। यह वह अपनी परिस्थितियों के मुताबिक तय कर सकता है। मगर जैसे ही उसने पश्चिमी देशों की सुरक्षा परिषद में सदस्यता लेनी चाही, रूस को अपनी सुरक्षा पर खतरा मंडराता दिखा और उसने यूक्रेन को इससे रोकने की कोशिश की। आखिरकार युद्ध शुरू हुआ और उसका खमियाजा किसी न किसी रूप में सारी दुनिया भुगत रही है। इस युद्ध के खिंचते जाने में कुछ देशों के राजनीतिक स्वार्थ हैं, पर यह किसी भी रूप में मानवता के लिए उचित नहीं है।

व्यर्थ न हो बलिदान !

पग पग है मुठभेड़ ।
व्यर्थ न हो बलिदान ।।
हैं डटे सीमा पर ।
अपने वीर जवान ।।
पर होता है दर्द ।
होते जब शहीद ।।
दुश्मनों के छक्के ।
छुड़ाने की भी ज़िद ।।
ढूंढ कर आतंकियों का ।
है करना सफाया ।।
बौखलाहट में ही ।
दुश्मन तिलमिलाया ।।
चुन चुन कर उनको ।
मार है गिराना ।।
छुपें चाहे लाख वो पर ।
मिट्टी में मिलाना ।।

–कृष्णेन्द्र राय

फसल बीमा की हकीकत

बीमा दावों से फसल नुकसान की पर्याप्त भरपाई न होने से परेशान किसानों ने स्वैच्छिक आधार पर फसल बीमा का ह्यप्रीमियमह्ल अदा करना बंद कर दिया है। देश के सात राज्यों- आंध्रप्रदेश, झारखंड, तेलंगाना, बिहार, गुजरात, पंजाब, पश्चिम बंगाल ने प्रधानमंत्री फसल बीमा का राज्य अंशदान देना बंद कर दिया है। इससे इन राज्यों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना बंद हो चुकी है। रबी फसल की कटाई से कुछ दिन पूर्व हुए मौसम परिवर्तन से देश के अठारह राज्यों में खेत में खड़ी फसलें वर्षा और ओलावृष्टि से बुरी तरह प्रभावित हुईं। देश में इस वर्ष गेहूं की बुआई 343.2 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हुई थी, जो अभी तक का सर्वाधिक कीर्तिमान है। मगर देखते ही देखते कास्तकारों की आय पर मौसम ने जैसे डाका डाल दिया।

गेहूं उत्पादक राज्य पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान में तीन लाख हेक्टेयर फसलें पूरी तरह नष्ट हो गईं। अन्य राज्यों में चना, मसूर, सरसों, मसाले और सब्जियों-फलों की फसलों को अत्यधिक नुकसान हुआ है। नष्ट होने से बची फसलों की गुणवत्ता बुरी तरह से प्रभावित हुई है। फसलों की गुणवत्ता प्रभावित होने से किसानों की आय में चालीस फीसद तक की गिरावट का अनुमान है। प्रभावित राज्यों की सरकारों ने पचास फीसद से अधिक फसलों के नष्ट होने पर अपने राजस्व कोष से बीस हजार से लेकर पचास हजार रुपए प्रति हेक्टेयर की मदद का एलान किया है। मगर यह मदद उन क्षेत्रों के लिए है, जहां फसलें पचास फीसद से अधिक नष्ट हुई हैं। गुणवत्ता प्रभावित होने और उत्पादन कम आने पर यह राहत उपलब्ध नहीं है। सन 2016 में केंद्र सरकार ने राज्यों के साथ मिलकर फसल नुकसान और मौसमी प्रकोप से उत्पादन कम आने पर क्षतिपूर्ति के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा की शुरूआत की थी। इसमें भी उत्पादन में पचास फीसद से अधिक के नुकसान पर क्षति का प्रावधान किया गया है। गुणवत्ता प्रभावित होने से किसान के नुकसान की भरपाई का इसमें कोई प्रावधान नहीं है।

बीमा कंपनियों की क्षति शर्तें, आकलन विधि सिर्फ बीमा कंपनियों के लिए फायदेमंद रही हैं। पीड़ित किसानों को तो लागत मूल्य भी प्राप्त करना मुश्किल होता है। गत वर्षों में जब अलग-अलग राज्यों में फसलें बड़े पैमाने पर नष्ट हुई थीं, बीमा दावा अदा करने के बाद भी बीमा कंपनियां मुनाफे में रही हैं। 2019 में मध्यप्रदेश के किसानों को पचास फीसद से अधिक फसल के नुकसान के बाद उनके खातों में दो रुपए से लेकर दो सौ रुपए तक की राशि अदा की गई थी। बीमा कंपनियां क्षति आकलन एजंसियों को क्षति कम दशार्ने का प्रोलभन देती हैं, तो पीड़ित किसान नुकसान को ठीक लिखने के लिए एजंसी को रिश्वत देता है। बीमा दावों से फसल नुकसान की पर्याप्त भरपाई न होने से परेशान किसानों ने स्वैच्छिक आधार पर फसल बीमा का ह्यप्रीमियमह्ल अदा करना बंद कर दिया है। देश के सात राज्यों- आंध्रप्रदेश, झारखंड, तेलंगाना, बिहार, गुजरात, पंजाब, पश्चिम बंगाल ने प्रधानमंत्री फसल बीमा का राज्य अंशदान देना बंद कर दिया है। इससे इन राज्यों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना बंद हो चुकी है। देश में कृषि से जुड़े किसानों की संख्या करीब 10.20 करोड़ है, लेकिन वर्ष 2022-23 में प्रधानमंत्री फसल बीमा में पंजीकृत किसानों की संख्या मात्र 93.44 लाख रही, जो कि 2021-22 की तुलना में उन्नीस फीसद कम है। यह किसानों के प्रधानमंत्री फसल बीमा से मोहभंग का सबूत है। नुकसान की तुलना में बहुत कम क्षतिपूर्ति, समय से बीमा दावों का भुगतान न होना और राजस्व सर्वे इकाइयों का भ्रष्टाचार प्रधानमंत्री फसल बीमा पर किसानों के विश्वास को कमजोर करता है।

किसानों को बीमा प्रीमियम खरीफ फसल के लिए उनके बीमाधन का दो फीसद, रबी और तिलहनी फसलों के लिए डेढ़ फीसद, बागवानी और फलों के लिए आधा फीसद ही अदा करना होता है। शेष प्रीमियम राशि की अदायगी केंद्र और राज्य सरकार आधा-आधा करती हैं। राज्य सरकारें अपने हिस्से की राशि कभी तय समय पर अदा नहीं करती हैं। 2016 से पहले फसल बीमा किसान की ऋण साख के आधार पर हुआ करता था। सहकारी बैंकों में किसान क्रेडिट कार्ड सीमा अधिकतम ढाई लाख रुपए प्रति किसान है, जिससे पीड़ित किसान को इस अनुपात से ज्यादा बीमा दावा मिलने का प्रावधान नहीं था। प्रधानमंत्री फसल बीमा में इस प्रावधान में सुधार कर बीमा धन किसान की उपलब्ध कृषि भूमि के रकबे के आधार पर तय किया गया है। मगर अब भी प्राकृतिक नुकसान का आकलन व्यक्तिगत खेत को न मानकर राजस्व हलके में शामिल गांवों के कुल नुकसान का औसत निकाल कर किया जा रहा है। इससे वास्तविक नुकसान पीड़ित किसान को उसकी क्षति से बहुत कम की भरपाई हो पा रही है।

दूसरी तरफ आगजनी जैसी घटनाओं में किसान को बहत्तर घंटे में बीमा दावा आवेदन के माध्यम से बीमा कंपनी को सूचना देनी होती है। गांव का अशिक्षित किसान बहत्तर घंटों में कैसे सूचना दे सकता है? गांवो में ईमेल तकनीक सहित बिजली जैसी सुविधाओं का अभाव है। सरकार और नौकरशाही जानती है कि किसान के पास त्वरित संचार तंत्र नहीं है। उसे अपने फसल बीमा का पालिसी नंबर तक नहीं मालूम, क्योंकि किसान को लिखित बीमा बांड उपलब्ध कराने की बाध्यता बीमा कंपनियों पर लागू नहीं है। प्रति वर्ष फसल उत्पादन का आकलन सरसरी तौर पर प्रत्येक राजस्व हलके से चुनिंदा किसानों के खेत में एक तय क्षेत्रफल में खड़ी फसल के आधार पर किया जाता है। इस तरह चार-छह नमूने के औसत परिणामों से उस इलाके का अधिकतम उत्पादन तय कर लिया जाता है। यह प्रक्रिया किसानों को सूचना दिए बगैर पूरी कर ली जाती है। जिस वर्ष फसल को प्राकृतिक नुकसान होता है, उस वर्ष में उत्पादन न्यूनतम स्तर पर होता है, लेकिन आगामी तीन वर्षों तक यह न्यूनतम उत्पादन आंकड़ा किसान के फसल उत्पादन के आंकड़े को प्रभावित करता रहता है।

इसलिए वास्तविक अधिकतम उत्पादन का आंकड़ा कभी दर्ज ही नहीं होता है। जबकि वैज्ञानिक अध्ययन में प्रत्येक कृषि भूमि में उपयोग किए गए बीज की गुणवत्ता, सिंचाई की मात्रा, बुआई का समय आदि के आकलन से फसल का उत्पादन तय होता है। यह अलग-अलग किसानों द्वारा अपनाई गई तकनीक पर आधारित होता है। इसलिए एक हलके के कुछ किसानों के खेतों के नमूने लेने की पद्धति फसल नुकसान की वास्तविक क्षतिपूर्ति कभी नहीं कर सकती। कृषि वैज्ञानिक सिंचित भूमि में गेहूं का अधिकतम उत्पादन साठ से अस्सी क्विंटल प्रति हेक्टेयर तय करते हैं। मगर प्रधानमंत्री फसल बीमा में कंपनियों ने विगत छह वर्षों में औसत के आधार पर अधिकतम उत्पादन पैंतालीस क्विंटल से अधिक रिकार्ड में दर्ज ही नही किया है। वास्तविक गेहूं उत्पादन और बीमा कंपनी के आंकलित उत्पादन में चालीस फीसद से अधिक का अंतर है। यह अंतर दलहनी और तिलहनी फसलों में भी इसी प्रकार का है। इन हालात में बीमा कंपनियों से वास्तविक फसल क्षतिपूर्ति की अपेक्षा भला कितनी की जा सकती है। फसल नुकसान आकलन के लिए पिछले साल से रिमोट सेंसिंग तकनीक और ड्रोन सर्वेक्षण के प्रयोग शुरू हुए हैं। मगर उत्तर प्रदेश के किसानों ने शिकायत की थी कि ड्रोन द्वारा नुकसान आकलन में बीमा कंपनियां नष्ट फसलों के स्थान पर हरी-भरी फसलों की तस्वीर लगा कर दावा अदा करने से बचती रहीं।

देश में बदलाव लाने में बड़ा सहायक बना है 'मन की बात' कार्यक्रम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम, मन की बात ने अपने सौ एपिसोड सफलतापूर्वक पूर्ण किए, यह आकाशवाणी के इतिहास का एक ऐसा कार्यक्रम बना जिसमें देश के प्रधानमंत्री ने मानसिक रूप से आम जनता से सीधा संवाद किया और इसे राजनीति से पृथक अलग रखा। यह एक सुखद अनुभव है कि प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम बदलाव का संवाहक बन बनकर क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा है। इस कार्यक्रम ने वृहद भारतीय समाज को निराशा व अंधकार से निकालने में सहायता दी है और विकास व प्रगति के नये पंख लगाए हैं। "मन की बात" कार्यक्रम से नया जोश, उत्साह व उमंग पैदा होती रही है तथा भविष्य में भी होती रहेगी। मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से ही भारत की सांस्कृतिक विरासत एक बार फिर पुनर्जीवित हो रही है। हमारा भारतीय समाज जिन परम्पराओं को भूल चुका था आज वह फिर से जीवित हो रही हैं। हिंदू सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का विकास हो रहा है।

जैसे दूरदर्शन के इतिहास में रामायण का धारावाहिक संपूर्ण भारत में लोगों को घरों में टीवी सेट के सामने बैठा देता था वैसे ही आज हर माह के अंतिम रविवार को लोग मन की बात कार्यक्रम सुनने के लिए बैठ जाते हैं। ऐसा नहीं है कि मन की बात को केवल मोदी समर्थक ही सुनते हैं अपितु उनके परम्परागत राजनैतिक विरोधी भी इस कार्यक्रम को ध्यान से सुनते हैं और प्रतिक्रिया देते हैं। विश्व के 53 देशों में मन की बात का सीधा प्रसारण होना एक बड़ी बात है और उससे भी बड़ी बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी "मन की बात" में जो विचार व्यक्त करते हैं या संदेश देते हैं उसे देश का हर आयु वर्ग का नागरिक व्यवहार में लाने का प्रयास भी करता है और वह जन आंदोलन बन जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद मोदी ने मन की बात से ही सेल्फी विद डॉटर जैसे अभियानों के माध्यम से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को सफलता के पायदान तक पहुंचाने का प्रयास हुआ। इसी प्रकार आज स्वच्छता आंदोलन एक व्यापक रूप ले चुका है। प्रधानमंत्री ने मन की बात में ही समुद्र के किनारे फैले कचरे व उसकी साफ सफाई पर ध्यान केंद्रित किया था। वह स्वच्छता अभियान पर किये जा रहे अभिनव प्रयासों की भी जानकारी देते रहते हैं जिसका प्रभाव आज समाज में दिखाई पड़ रहा है और अब समाज की विभिन्न

गतिविधियों के दौरान साफ सफाई पर विशेष ध्यान भी दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में कई बार यह अपील की है कि देश के युवाओं व अन्य सभी नागरिकों को वर्ष में एक बार कही न कहीं तीर्थाटन पर अवश्य जाना चाहिए जिसमें वह कहते हैं कि विदेश यात्रा पर जाने से अच्छा है कि अपने ही देश के अपने राज्य या फिर अन्य दूसरे राज्यों के 15 ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों का भ्रमण करना चाहिए और उनके विषय में जानना और समझना चाहिए। पर्यटन की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये मन की बात एक अहम माध्यम सिद्ध हो रहा है। आज देश के सभी धार्मिक व पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की बहार आई हुई है तथा देश के सभी प्रमुख धार्मिक केंद्र श्रद्धालुओं से खचाखच भरे रहते हैं। मन की बात को सुनने के बाद सभी राज्यों के मुख्यमंत्री पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई नये कार्यक्रम लांच कर रहे हैं। उप्र में अयोध्या, मथुरा, काशी हो या फिर देवभूमि उत्तराखंड की चारधाम यात्रा से लेकर राजधानी दिल्ली में शहीद स्मारक, सभी जगह पर्यटकों की धूम मच रही है। मन की बात के माध्यम से धार्मिक पर्यटन को खूब बढ़ावा तो मिला ही है साथ ही साथ नये पर्यटक स्थलों की भी खूब चर्चा हो रही है व उनका विकास भी तीव्र गति से हो रहा है। महाराष्ट्र की पंढरपुर यात्रा और सुदूर मणिपुर और सौराष्ट्र के सम्बन्ध में बहुत सारे लोगों ने मन की बात से ही जाना। पर्यटन के साथ ही प्रधानमंत्री जब लोकल फोर वोकल की अपील करते हैं तो पर्यटक जहाँ जाते हैं वहां के स्थानीय उत्पादों को भी खरीद कर लाते हैं। यह मन की बात के माध्यम से लोकल फॉर वोकल पर बल दिए जाने का ही प्रभाव है कि आज भारत कई प्रकार के उत्पाद जो यहां पहले से बनते थे किंतु उनके बाजार पर विदेशी विशेषकर चीन के उत्पादों ने अपना कब्जा जमा लिया था, अब ऐसे उत्पादों की मार्केटिंग एक बार फिर होने लग गई है। स्थानीय उत्पादों का बाजार बढ़ने से लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार भी मिलने लगा है। दीपावली पर गणेश-लक्ष्मी की जो मूर्तियां भारत में ही बनती थीं किंतु उन पर चीन का नियंत्रण हो गया था, अब वह काफी हद तक कम हो गया हैं। दिवाली पर ही बिकने वाली चीनी झालरों का मार्केट भी गिर गया है और कुम्हार का चाक एक बार फिर घूमने लगा है। प्रधानमंत्री की अपील पर अब बच्चों के खिलौनों की भी दुनिया में भी नई क्रांति आ रही है और इसमें भी चीनी वर्चस्व का समापन हो रहा है। प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम कई क्षेत्रों में व्यापक बदलाव ला रहा है। एक कार्यक्रम में उन्होंने बताया था कि बचपन में दादा-दादी और नाना-नानी व अन्य बुजुर्ग सदस्य कोई न कोई कहानियां आदि सुनाया करते थे किंतु बदलाव के इस दौर में अब यह परम्परा समाप्त सी हो गई है। उन्होंने उस परम्परा को भी कुछ हद तक एक बार फिर जीवित करने का प्रयास किया है। आज कई स्थानों व स्कूल कालेजों में उन कहानियों पर आधारित संगोठिष्यों, नाटक व बच्चों को प्रेरित करने वाले विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होने लगा है। मन की बात कार्यक्रम से ही भारत में डिजिटलीकरण अभियान को एक नई गति मिली है। अब हर युवा व नागरिक डिजिटल माध्यम से ही लेन देन कर रहा है। एक समय यह भी था लोगों ने डिजिटल अभियान का यह कहकर विरोध किया था कि जिन लोगों को लिखना-पढ़ना नहीं आता वह लोग मोबाइल फोन के माध्यम से डिजिटल लेन-देन कैसे कर पायेंगे, लेकिन आज वही चीज अब बहुत आसान हो गई है। मन की बात ने जल संरक्षण अभियान को सफल बनाया है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति भारत ही नहीं अपितु आज संपूर्ण विश्व जागरूक हो रहा है। मन की बात से ही आज योग, आयुर्वेद, अध्यात्म व समस्त भारतीय संस्कृति का अदभुत विकास हो रहा है।

क्या ठउद्ध को टूट से बचाने के लिए शरद पवार ने खेला है इस्तीफे का दांव?

एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार के पद से इस्तीफा देने की घोषणा के साथ ही महाराष्ट्र की राजनीति के अलावा राष्ट्रीय राजनीति में भी हंगामा खड़ा हो गया है क्योंकि महाराष्ट्र में राजनीति के दो अलग-अलग ध्रुवों पर खड़ी कांग्रेस और शिवसेना को साथ लाकर सरकार बनाने का करिश्मा दिखाने वाले पवार की भूमिका को 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भी काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा था। यह माना जा रहा था कि अपने राजनीतिक कद और कौशल के कारण लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा के विरोध में बनने वाले संभावित मोर्चे में शरद पवार ज्यादा से ज्यादा राजनीतिक दलों को एक साथ लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कहा तो यहां तक जा रहा था कि ममता बनर्जी, के. चंद्रशेखर राव और नीतीश कुमार की बढ़ती राजनीतिक महत्वाकांक्षा से परेशान कांग्रेस आलाकमान खासतौर से सोनिया गांधी भी शरद पवार पर काफी भरोसा कर रही थीं।

ऐसे में यह सवाल पूछा जा रहा है कि आखिर ऐसे क्रिटिकल

समय में शरद पवार को इस्तीफा देने और सक्रिय राजनीति से अलग हो जाने की घोषणा करने की जरूरत क्या थी ? हाल के दिनों में जिस तरह से उनके भतीजे अजित पवार के बार-बार भाजपा के साथ जाने की खबरें आ रही थीं, उसे देखते हुए यह कहा जा रहा है कि हो सकता है अपनी पार्टी एनसीपी को टूटने से बचाने के लिए पवार ने अपने इस्तीफे का यह दांव खेला हो क्योंकि इसके बाद पवार और भी ज्यादा ताकतवर बन कर उभरते नजर आ रहे हैं। पूरी की पूरी एनसीपी पार्टी ही उनसे अपने निर्णय पर पुनर्विचार करने की अपील कर रही है। शरद पवार अगर अपना इस्तीफा वापस लेकर अध्यक्ष बने रहते हैं तो अजित पवार के लिए अब पार्टी तोड़ना उतना आसान नहीं होगा क्योंकि इस माहौल में पार्टी के विधायक शरद पवार से बगावत करने का जोखिम उठाना नहीं चाहेंगे और यदि पवार इस्तीफा वापस नहीं लेते हैं तो भी नया अध्यक्ष उनकी पसंद का ही बनना तय है। दरअसल, शरद पवार ने भविष्य को भांपते हुए हमेशा ही राष्ट्रीय और प्रदेश की राजनीति में पार्टी में अलग-अलग चेहरे को तैयार किया। दिल्ली की राजनीति उनकी बेटी सुप्रिया सुले कर रही हैं जिसमें उनके पुराने सहयोगी प्रफुल्ल पटेल सहयोगी की भूमिका में हैं तो वहीं महाराष्ट्र की राजनीति में अजित पवार सर्वेसर्वा की स्थिति में रहे हैं। लेकिन यह संतुलन फिलहाल गड़बड़ाता नजर आ रहा है। अजित पवार चाहे जो भी कहें लेकिन जिस तरह से उन्होंने पिछली बार देवेंद्र फडणवीस के साथ सरकार बनायी थी, उसके बाद एनसीपी के नेताओं को ही उन पर भरोसा नहीं रह गया है।

शरद पवार यह बखूबी जानते हैं कि राष्ट्रीय राजनीति में उनकी या उनकी बेटी की भूमिका तभी महत्वपूर्ण रह सकती है जब पार्टी महाराष्ट्र में मजबूत रहे क्योंकि उद्धव ठाकरे की हालत वह देख ही रहे हैं। अगर अजित पवार पार्टी तोड़कर भाजपा के साथ चले जाते हैं तो प्रदेश में एनसीपी कमजोर हो जाएगी और विपक्षी दलों के मोर्चे में उनका इकबाल भी कम हो जाएगा। शायद यही वजह है कि अपने राजनीतिक स्टाइल के मुताबिक शरद पवार ने सभी को चौंकाने वाला यह बड़ा दांव खेल दिया है। अब सबको शरद पवार के अगले कदम का बेसब्री से इंतजार है कि वो अपना इस्तीफा वापस लेते हैं या किसी और को पार्टी की कमान सौंपते हैं या फिर स्वयं अध्यक्ष बने रहकर किसी और को कार्यकारी अध्यक्ष बनाते हैं और बनाते हैं तो किसको बनाते हैं ? पार्टी के नए सैटअप में अजित पवार की आधिकारिक भूमिका क्या रहती है, यह भी देखने वाली बात होगी। यह भी माना जा रहा है कि महाराष्ट्र की राजनीति में इस्तीफे का दांव खेलकर शरद पवार ने कांग्रेस समेत तमाम विरोधी दलों को यह भी संदेश देने का प्रयास किया है कि वह राष्ट्रीय राजनीति में भी बड़ी भूमिका निभाने को तैयार हैं।

पंच मारकर मड़ई में सो रहे पीडब्ल्यूडी कर्मी की हत्या

प्रखर जौनपुर । सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के तिवारीपुरा गांव में घर से करीब 100 मीटर दूरी स्थित मडई में सोते समय गुरुवार की रात बदमाशों ने एक पीडब्ल्यूडी कर्मी पंधारी यादव की हत्या कर दी आरोपियों ने पीडब्ल्यूडी ठेकेदार के शेर चेहरे शरीर के अन्य हिस्सों पर पंच से प्रहार किया घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है जानकारी मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे मिले लेकर जांच में जुटी ठेकेदार की हत्या एक दिन पहले शादी में किसी बात को लेकर कुछ लोगों से विवाद हुआ है तिवारीपुरा गांव निवासी पंधारी यादव (52) ने अपने घर से करीब 100 मीटर की दूरी पर एक मड़ई लगवाया था। कभी कभार उसमें भी कुछ देर के लिए जाते थे। गुरुवार की रात में वह उसी मड़ई में सोए थे। इसी दौरान रात में आए कुछ बदमाशों ने पंच से मारकर उनकी हत्या कर दी। परिवार के लोग बताते हैं कि जिस समय बदमाश उन्हें मार रहे थे तो शोर सुनकर आसपास के लोग भी पहुंचे, लेकिन तब तक बदमाश फरार हो चुके थे। उधर पंधारी को जब तक अस्पताल ले जाया जाता है तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पंधारी के 2 पुत्र अजय और विजय बाहर रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

शादी में हुआ था विवाद, अगले दिन हुई थी मारपीट– बुधवार की रात में क्षेत्र के एक गांव से बारात खेतासराय के अनर गांव में बारात में ही किसी बात को लेकर दो युवकों में मारपीट हो गई थी। मारपीट की जानकारी मिलने पर अगले दिन गुरुवार की सुबह एक युवक के पक्ष से पंधारी यादव दूसरे युवक के यहां गए वहां बातचीत के दौरान कुछ विवाद हुआ परिवार के लोग उस घटना को भी इस मामले से जोड़ रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

प्रखर जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जेठपुरा गांव में विवाहिता ने पंखे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली परिजनों ने इसकी सूचना मायके वालों को दिया मायके वालों ने पहुंचकर इसकी सूचना पुलिस को मौके पर पहुंचकर पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया जानकारी के अनुसार जेठपुरा गांव निवासिनी 35 वर्षीय नीतू पत्नी राममिलन रोज की तरह गुरूवार की रात अपने कमरे में सोने चली गई।

प्रातः काल जब दरवाजा नहीं खुला तो परिजन ने धक्का देकर दरवाजा खोला तो अंदर का नजारा देखकर दंग रह गये। नीतू साड़ी के सहारे पंखे से झूल रही थी। आनन-फानन में वहां पर ग्रामीणों की भीड़ लग गयी। विवाहिता का मायका सिकरारा थाना क्षेत्र के कुरनी गांव में है। वहां से दर्जनों की संख्या में लोग जेठपुरा गांव पहुंच गये। मृतका के भाई ने आरोप लगाया है कि मेरे बहन की हत्या कर शव को पंखे से लटका दिया गया है। इसके पूर्व भी बहन को ससुराल के लोगो ने प्रताड़ित करते थे।नीतू के भाई ने थाने में परिजनों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

हादसों में बालक सहित दो लोगों की मौत, पांच घायल

जौनपुर। जिले के अलग-अलग स्थानों पर बुधवार को बीते 24 घंटे के भीतर हुए हादसों में एक बालक सहित दो लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए। घटनाएं सिंगरामऊ क्षेत्र के साढ़ापुर गांव, धमार्पुर क्षेत्र के मुस्तफाबाद और जलालपुर थाना क्षेत्र के जलालपुर चौराहे पर हुईं।

सिंगरामऊः साढ़ापुर गांव में मंगलवार की रात में हाईवे पर बोलेरो की चपेट में आने से एक बालक की मौत हो गई। घटना को अंजाम देने वाला वाहन चालक फरार हो गया। रजनीपुर ओवरब्रिज के समीप गांव के अन्य बच्चों के साथ एक निमंत्रण से घर लौट रहे नैतिक सिंह (9) पुत्र तिलकधारी सिंह तेज रफ्तार से आ रही बोलेरो की चपेट में आ गया। गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी मिलने पर पहुंचे परिजनों ने एक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। वाराणसी में इलाज के दौरान मौत हो गई। परिवार के लोगों ने बताया कि नैतिक किसी के तेरवहीं में शामिल होकर घर लौट रहा था। वह तीन भाईयों में सबसे छोटा था।

धमार्पुरः जौनपुर-औड़िहार रेलवे लाइन पर केशवपुर गांव के पास मुस्तफाबाद गांव में मंगलवार की रात आई एक बरात में शामिल वाहन का चालक रात में शौच के लिए गया था, तभी ट्रेन की चपेट में आकर उसकी मौत हो गई। मृत धरसंड़ गांव निवासी विक्रमजीत (42) पुत्र त्रिलोचन के शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया। उप निरीक्षक रमाशंकर पांडेय ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। थाना प्रभारी गौराबादशाहपुर देवानंद रजक ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बरात में गाड़ी लेकर आया था। शौच के लिए गया हुआ था। किसी ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई।

दूल्हे की कार में ट्रेलर ने मारी टक्कर दुल्हा समेत पांच घायल– जलालपुर। क्षेत्र के जलालपुर चौराहा पर बुधवार को सुबह दूल्हे की कार में तेज स्पीड ट्रेलर ने टक्कर मार दिया। जिससे कार में बैठे दुल्हा समेत पांच लोग घायल हो गए। सभी घायल पास में स्थित एक अस्पताल में इलाज कराकर दूसरे वाहन से घर चले गए। सुरेरी के कोचारी निवासी रोहित उपाध्याय की शादी थी। बारात जलालपुर के मोजरा गांव में आई थी। रात में शादी संपन्न होने के बाद सुबह बरात वापस लौट रही थी।

मां काली क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ आगाज

प्रखर जखनियां गाजीपुर। जय मां काली क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में कनरी में शुक्रवार को क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू हुई। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा. एम खालिद ने फीता काट कर किया। प्रतियोगिता के विजेता को 11 हजार व उपविजेता को 5100 हजार रुपए देकर सम्मानित किया जाएगा। आयोजन समिति के प्रबंधक रमेश यादव ने बताया की मिट्ठापारा व नरयनापुर की टीम के मध्य उद्घाटन मैच हुआ। जिसमें मिट्ठापारा की टीम के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए नरयनापुर को 7 विकेट से हराया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डा.एम खालिद ने कहा कि ग्रामीण अंचलों में प्रतिभा की कमी नही है लेकिन उन्हें निखारने के काम में समाज को

मदद करने की जरूरत है। वही खेल में हार जीत की जगह प्रतिभाग को भी महत्त्व देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज क्रिकेट दुनिया का चहेता खेल बन चुका है। और गांव के गलियों तक बच्चे क्रिकेट खेल रहे है। खेल से आपसी भाई चारा बढ़ने के साथ स्वस्थ्य रहने में मदद मिलती है। आज छोटे से गांव में क्षेत्रीय टूनार्मेंट का आयोजन हो रहा है मेहनत करने वाले खिलाड़ी जिला राज्य और देश स्तर तक खेल सकते है इसके लिए जरूरी है की नियमित अभ्यास किया जाए।आगे बढ़ने का प्रयास करते रहे,तो सफलता जरूर मिलेगी। इस मौके पर अध्यक्ष रमेश यादव,शिवा ,मुलायम,सोनू,आयुष,अमरजीत, राजेश कुमार,अनुज,अमित,आदि शामिल रहे।

कच्ची दीवार गिरने से पिता बेटी की मौत, एक बेटी घायल

प्रखर जौनपुर। सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र के बरैया काजी गांव में गुरुवार की शाम कच्ची दीवार गिरने से दर्दनाक हादसे में पिता एक पुत्री की मौत हो गई और दूसरी छोटी पुत्री गंभीर रूप से घायल है कर राजधारी अपने परिवार का पालन पोषण मजदूरी करके कर रहे थे। शाम को खाना बनाने की तैयारी के दौरान हुआ था हादसा। जानकारी के अनुसार राजधारी 40 वर्ष मजदूरी करके सब्जी लेकर घर पहुंचे तो वह बच्चों के साथ खाना बनाने की तैयारी कर रहे थे कि शाम को उनकी पत्नी सुमित्रा की तबीयत खराब होने के कारण से वह अपने बच्चे को छोड़ मल्हनी बाजार में दवा लेने के लिए गई थी। और वह अपने परिवार के साथ खाना बनाने की तैयारी कर रहे थे तो पिता अपने बच्चों के साथ सब्जी काट कर खाना बनाने की तैयारी कर रहे थे लेकिन बारिश ज्यादा होने के कारण मिट्टी की बनी दीवार पूरी तरीके से जर्जर हो गई थी जो अचानक से राजधारी और उनकी दो पुत्रियां चंचल 8 और दीपांजलि 12 के ऊपर भरभरा कर गिर गई। मलबे में दबकर राजधारी और उनकी दो पुत्रियां गंभीर रूप से घायल हो गई। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचकर तीनों को मलबे से बाहर निकाला गया और आस पास के लोग मल्हनी बाजार के प्राइवेट हॉस्पिटल में लेकर गए जहां

राजधारी ने दम तोड़ दिया था डॉक्टर ने राजधारी की दोनों बेटियों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया जहां पर शुक्रवार की भोर में दीपांजलि ने भी दम तोड़ दिया। घर वालो का रो रो के बुरा हाल मातम पसरा हुआ है वही चंचल प्राथमिक इलाज के बाद वापस घर लेकर आया गया।

179 किमी में महज 86 किमी ही बिछाई गई पाइपलाइन, लगा जुर्माना

जौनपुर। शहर में अमृत योजना के तहत चल रहे सीवर लाइन का कार्य काफी धीमी गति से चल रहा है। हाल यह है कि 179 किमी के मुकाबले शहर में अब तक महज 86 किमी ही पाइपलाइन बिछाई जा सकी है। जबकि इसको पूरा करने की समय सीमा मार्च 2023 तक रखी गई थी। यह समय बीतने के बाद भी काम में तेजी नहीं आने के कारण कार्य करने वाली टेक्नोक्राफ्ट लिमिटेड के भुगतान में दस फीसदी का जुमार्ना लगाया गया है। अमृत योजना के तहत शहर में 179 किमी पाइप बिछानी है। इसका काम 208 करोड़ की लागत से हो रहा है। अब तक इसमें महज 82 किमी ही सीवर पाइप लाइन बिछाई गई है। अक्तूबर 2019 से चल रहे इस कार्य की कई बार समय सीमा बढ़ाते हुए मार्च 2023 तक का समय दिया गया। बावजूद यह काम मजह 38 फीसदी ही हो सका है। अब तक कंपनी को 60 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। इसमें विभागीय खर्च को जोड़कर कुल 77 करोड़ रुपये भुगतान हुआ।

गैर इरादतन हत्या मामले में एक ही परिवार के छह लोगों को 10-10 वर्ष की सजा

मऊ। जिला एवं सत्र न्यायाधीश रामेश्वर ने गैरइरादतन हत्या मामले में नामजद एक ही परिवार के छह लोगों को सुनवाई के बाद दोषी करार दिया। गुरुवार को सभी को 10-10 वर्ष की सजा के साथ ही 10-10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड नहीं देने पर तीन-तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। वहीं क्रॉस केस के मामले में सभी आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया। मामला मऊ जिले के दोहरीघाट थाना क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार, फरसरा बुजुर्ग गांव निवासी प्रभावती देवी पत्नी राजनाथ मौर्य की तहरीर पर मुकदमा दर्ज हुआ। इसमें गांव के ही अंगद मौर्य और सुभाष मौर्य पुत्रगण ब्रषकेतु मौर्य, हरिचरन उर्फ हरिश्चंद्र और घूरा उर्फ प्रेमचंद मौर्य पुत्रगण स्व. किशोर मौर्य, सतीश मौर्य पुत्र प्रेमचंद मौर्य और ब्रषकेतु उर्फ विषकेतु मौर्य पुत्र प्रह्लाद को आरोपी बनाया। आरोप लगाया कि एक जून 2007 को उसके पट्टीदार बारजा निकाल रहे थे। इसका उसके पति राजनाथ मौर्य ने विरोध किया तो आरोपियों ने लाठी-डंडे से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। बीचबचाव में पहुंची उसकी जेठानी विमला और जेठ शेषनाथ पर भी आरोपियों ने हमला बोला। गंभीर रूप से घायल पति को आनन-फानन अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद विवेचना आरोप पत्र कोर्ट में भेजा था। कोर्ट में अभियोजन की ओर से पैरवी करते हुए एडीजीसी फौजदारी राणा प्रताप सिंह और धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कुल 8 गवाहों को पेश कर अपना पक्ष रखा। बचाव पक्ष से कहा गया कि उन्हें झूठा फंसाया गया है। जिला जज ने दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद आरोपीगण अंगद मौर्य, हरिचरन उर्फ हरिश्चंद, घूरा उर्फ प्रेमचंद मौर्य, सतीश मौर्य, सुभाष मौर्य और ब्रषकेतु उर्फ विषकेत मौर्य को बलवा, मारपीट और गैर इरादतन हत्या का दोषी करार देते हुए सजा सुनाई।

आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी सुनील कुमार पांडे ने मिजार्पुर की जनता से मांगा आशीर्वाद

प्रखर मीरजापुर। आम आदमी पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी सुनील कुमार पांडे द्वारा स्थानीय मंगलम वाटिका रमई पट्टी में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी सुनील कुमार पांडे ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि मैंने नगर पालिका परिषद के 38 वार्ड में भ्रमण किया है, और सभी वार्डों में पैदल जाकर मैंने उनकी समस्याओं को देखा है । आमजन की एक-एक समस्याओं से वाकिफ हुआ हूं। वार्ड में ना तो पेयजल की समुचित व्यवस्था है ना ही साफ सफाई की कोई व्यवस्था है। चारों तरफ कूड़े का अंबार लगा हुआ है, गंदगी चारों ओर व्याप्त है। उन्होंने मीडिया बंधुओं को बताया कि मैं जिस भी वार्ड में गया, वहां गंदगी और अव्यवस्था नजर आई । मैंने उसका वीडियो भी बनाया है। कंतित, चंद्र दीपा, शिवपुर आदि क्षेत्रों में पानी व साफ सफाई की व्यवस्था अत्यंत दयनीय है। उन्होंने पत्रकारों के माध्यम से आमजन को आश्वस्त करते हुए कहा कि अगर जनता मुझे मौका देती है तो संपूर्ण नगर पालिका क्षेत्र में पानी साफ सफाई की व्यवस्था सर्वोत्तम होगी एवं भ्रष्टाचार को नगरपालिका से झाड़ू से साफ कर हटाया जाएगा। हाउस टैक्स आफ होगा और वाटर टैक्स माफ होगा। उन्होंने 1 दिन पूर्व नगरपालिका परिषद घंटाघर में विभिन्न पार्टियों के बीच एक चैनल द्वारा आयोजित डिबेट में हुए शर्मनाक घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि भाजपा और सपा के लोगों द्वारा आमजन के बीच जो अपना गंदा चेहरा दिखाया गया है निश्चित रूप से उसका परिणाम 11 मई को मिजार्पुर की जनता उन्हें अपने जवाब में देगी। पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी सुनील कुमार पांडे ने कहा कि मेरी लड़ाई किसी से नहीं हैं, क्योंकि पार्टियां आडंबर और झूठ के सहारे लड़ाई लड़ रही हैं। जबकि आम आदमी पार्टी की लड़ाई आम जनता स्वयं लड़ रही है और जो पार्टी आम आदमी पार्टी को फिसड्डी बोल रही है

निश्चित रूप से वह अपने भविष्य को अंकित कर रही है । उन्होंने प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें विश्वास है कि जनता का आशीर्वाद आम आदमी पार्टी के माध्यम से मुझे मिलेगा। सुनील कुमार पांडेय ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि हमारे साथ भोजवाल समाज, स्वर्णकार समाज, मुस्लिम समाज, ब्राह्मण समाज, साहू समाज, जायसवाल समाज, बिंद समाज, श्रीवास्तव समाज और सभी जाति धर्म के लोग सर्व समाज के रूप में मुझे अपना समर्थन दे रहे हैं, और निश्चित रूप से उनके आशीर्वाद से 11मई को आम आदमी पार्टी मिजार्पुर जनपद में रिकार्ड बनाएगी, और मिजार्पुर जनपद में नगर पालिका के चुनाव में स्वीप क्लीन कर अन्य पार्टियों को धूल चटाने का काम करेगी। उन्होंने मीडिया बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी समाज या किसी भी वर्ग की कोई लड़ाई हो सुनील कुमार पांडे ही सबसे आगे रहा है। और यह रिकार्ड है । अन्य पार्टियां झूठ के बल पर आम जनता को धोखा दे रही हैं, और उनके सहयोग का ढिंढोरा पीट रहे हैं। जबकि हर समाज की लड़ाई के लिए सुनील कुमार पांडेय ही सबसे आगे रहा है और भविष्य में भी सबसे पहले आगे रहेगा। पत्रकार वार्ता के दौरान आम आदमी पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी सुनील कुमार पांडेय ने कहा कि चाहे लालगंज में ब्राह्मणों के ऊपर अत्याचार का मामला हो, या पकौड़ी को द्वारा ब्राह्मण ,छत्रियों को अपमानित करने की बात हो,या नगर पालिका परिषद द्वारा भ्रष्टाचार के माध्यम से डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के नाम पर अवैध वसूली की बात हो , सुनील कुमार पांडेय ने सबसे आगे बढ़कर उसका सामना किया है और भ्रष्टाचार को समाप्त कर लोगों की सहायता करने का काम किया है। उन्होंने आगे बताया कि संपूर्ण नगर में सड़कों को पूरी तरह से खोदकर बर्बाद कर दिया गया है । समूचा शहर धूल के गर्त में समा गया है । लोगों, बच्चों और संपूर्ण जन के फेफडे में सड़क का धूल जम रहा है लेकिन कोई सुनवाई नहीं है। ठेकेदारों द्वारा पूरे शहर को एक साथ खोदकर अव्यवस्थित कर दिया गया है । इसके खिलाफ भी अभियान चलाकर इसको पूर्ण करने का काम किया जाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों को जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 08 मई को हमारे नेता संजय सिंह का रोड शो होगा। उनके जनसभा के लिए मेरे द्वारा घंटाघर में जिला प्रशासन से परमिशन मांगी गई थी, परंतु शासन सत्ता के दबाव और घबराहट के चलते आम आदमी पार्टी के नेता को सभा का परमिशन नहीं दिया गया । निश्चित रूप से शासन सत्ता में बैठे लोग यह जान चुके हैं कि मिजार्पुर जनपद में स्वीप क्लीन करते हुए आम आदमी पार्टी नगर पालिका परिषद चुनाव में अपना झंडा गाडने वाली है। जिसकी वजह से प्रशासन भयभीत है और विभिन्न तरीकों से बाधित करने का काम कर रही है। लेकिन आम आदमी पार्टी 11 तारीख को समूचे मिजार्पुर की जनता का बोध पाकर 13 मई को आम जनता के लिए उनकी जीत का परचम लहराने का कार्य करेगी। प्रेस वार्ता के दौरान मिजार्पुर सेवा समिति के संयोजक दिलीप सिंह गहरवार, वह भी बिना समाज के नुमाइंदे मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

खुले में रखा ट्रांसफार्मर घटना को दे रहा दावत, जिम्मेदार बेखबर

प्रखर गंभीरपुर/ आजमगढ़। विद्युत उपकेंद्र मुहम्मदपुर के फत्तनपुर मे कई महीने से खुले में रखे गए कई ट्रांसफार्मरों को विभाग सुरक्षित नहीं कर पाया है। तालाब के किनारे खुले में रखे गए यह ट्रांसफार्मर हमेशा दुर्घटना को दावत दे रहा है और संबंधित विभाग बेखबर बैठा है। कई महीनों से खंभे का केवल एक इंगल टूट जाने से 25 केवीए का ट्रांसफार्मर खुले में जमीन पर रखा हुआ है। विद्युत उपकेंद्र मुहम्मदपुर के फत्तनपुर गांव वासियों के मुताबिक कार्यालय को अवगत कराया गया है जा चुका है लेकिन संस्तुति अभी तक नहीं मिल पाई है। इससे खुले में रखे ट्रांसफार्मरों की घेराबंदी नहीं हो सकी है। वही उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति के लिए विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के विभिन्न स्थानों पर सड़क किनारे चबूतरा बनाकर ट्रांसफार्मर रखा गया है। लेकिन कई जगहों पर इन ट्रांसफार्मरों को जाली आदि लगाकर सुरक्षित नहीं किया गया है। जिसके कारण फतनपुर ग्राम सभा के गुजरने वाले लोगों को हमेशा भय बना रहता है पोखरी के किनारे प्रतिदिन राहगीर, किसान पशु जैसे भैंस पानी में लेकर जाना,बच्चे आते जाते हैं, तालाब में बच्चे का अक्सर आकर का नहाते है और बिजली होने के कारण हमेशा भय बना रहता है। इस संबंध में एसडीओ मुहम्मदपुर सुधीर मल बिसेन ने बताया कि जल्द से जल्द समस्या से गांव वालों को निजात दिला दी जाएगी।

गुर्जर व मुसलमानों के एनकाउन्टर की कड़ी में अनिल दुजाना का भी काम खत्म : "संजय गुर्जर"

सोनभद्र। भारत बचाओ, संविधान बचाओ आंदोलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय गुर्जर ने मीडिया को जारी बयान में कहा है कि उत्तर प्रदेश में एनकाउन्टर राज्य हो चुका है। भारत बचाओ, संविधान बचाओ आंदोलन किसी भी अपराधी का समर्थन नहीं करता लेकिन फर्जी एनकाउंटर में किसी को मारना भी सही नहीं है। कोर्ट और कानून देश में किसलिए हैं? अगर उत्तर प्रदेश में यही चलता रहा तो शरीफ लोग भी पुलिस से भयभीत हो जाएंगे। हमने पहले भी अपने बयान कहा था कि मुस्लिम समाज व गुर्जर समाज के ही थोक में एनकाउन्टर होंगे, वही हो रहा है। गुर्जर समाज के लोगों का यह सातवां एनकाउन्टर है। अनिल दुजाना अपराधी था तो अपराधी को सजा का प्रावधान है, एनकाउन्टर की थ्योरी सभी जगह एक जैसी है। पुलिस ने बदमाश का पीछा किया, बदमाश ने फायरिंग की और दोनों तरफ की फायरिंग में बदमाश ढेर हो गया। यह पूरी तरह से साबित करता है कि एनकाउन्टर फर्जी है। सरकार को व पुलिस को पूर्ण अधिकार है कि वह अपराधियों को सजा दे लेकिन फर्जी मुठभेड़ गलत है। किसी भी एक समाज व धर्म के लोगों को टारगेट करके एनकाउंटर करना इन्सानियत के साथ दोगली नीति है। प्रदेश में सैकड़ों अपराधी हैं लेकिन बड़े अपराधी के तौर पर ब्रजभूषण शरण का नाम देश के सामने आ रहा है, उसके अपराधों की लंबी फेहरिस्त है। उसपर सरकार कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। अन्य उन लोगों को मारने पर लगे हैं जिनका सरकार में कोई मजबूत नेतृत्व नहीं है। लोगो को समझना होगा और खास कर गुर्जर समाज व मुस्लिम समाज को इस समस्या पर गम्भीर होने की बड़ी जरूरत है,नही तो लोगों पर फर्जी मुकदमे लगाकर या तो सरकार बुलडोजर चलाएगी या एनकाउन्टर करेगी।

भाजपा के पक्ष एवं पार्टी में अब विजय शंकर भी शामिल

ओबरा (सोनभद्र)। छात्र नेता रहे जनसेवक विजय शंकर यादव भी भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर नगर निकाय कार्यालय ओबरा मंडल कमेटी के भाजपा परिवार में शामिल हुए। इसके पूर्व सुधा देवी भी सपा से भाजपा में शामिल हो चुकी है। भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार अभियान में शामिल होकर विजय शंकर ने कहा कि प्राणमति देवी ने नगर के हर गली मोहल्ले एवम् मुख्य मार्गो का विकास किया है, कार्य किया है। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष सतीश पांडेय, मंडल महामंत्री पवन मिश्रा,पूर्व मंडल अध्यक्ष आशुतोष सिंह,राहुल श्रीवास्तव,आकाश जायसवाल, वसीम,अनिल गुप्ता मौजूद रहे।

शहर की सरकार चुनने मायानगरी से पहुंचे घर

बदलापुर। मतदान किसी उत्सव से कम नहीं है। इस उत्सव में युवा, बुजुर्ग और महिलाएं सभी बड़े ही उत्साह से हिस्सा लेते हैं। इस बार निकाय चुनाव में यह उत्सव खूब दिख रहा है। बदलापुर क्षेत्र के युवाओं को जब पहली बार मत देने का अधिकार मिला तो वह मुंबई से बदलापुर आ गए। अब मतदान करके ही वापस जाएंगे। दूसरे राज्यों से वोट डालने आने वाले युवाओं ने कहा कि हमारे शहर की सरकार चुननी है, तो हमारा वोट भी जरूरी है। हमारा एक-एक वोट शहर की सरकार को मजबूती देगा। शहर में योग्य, कर्मठ और विकास की सोच वाले की सरकार चुनी जाएगी। सरोखनपुर के मतदाता इस्तियाक अहमद ने एक दक्षिण भारतीय फिल्म का उदाहरण देते हुए मत की कीमत का मूल्यांकन करने के बाद अपना मत देने के लिए दुबई से आने की बात बताई।

मौसम बदलते ही सर्दी-बुखार, खांसी के बढ़े मरीज

जौनपुर। मौसम में बार-बार हो रहे बदलाव से सर्दी बुखार और खांसी के मरीजों की संख्या बढ़ गई हैं। जिला अस्पताल के अलावा सीएचसी पर मंगलवार को बड़ी संख्या में मरीज इलाज कराने के लिए पहुंचे। जिला अस्पताल में 719 मरीजों का इलाज हुआ। दोपहर बाद तक पर्ची बनवाने के लिए काउंटर पर भीड़ लगी रही। डॉक्टरों की मानें तो बारिश के कारण मौसम में आए बदलाव से लोगों को सर्दी जुकाम और बुखार की समस्या हो रही है। मौसम गर्म होने के बाद 4 से 5 दिन में स्थिति सामान्य हो जाएगी। सीएचसी शाहगंज और केराकत में भी इलाज के लिए मरीजों की भीड़ रही। जिला अस्पताल में अब मरीजों को कंप्यूटराइज्ड पर्ची मिलेगी। इसपर मरीज का पूरा पता और आधार नंबर भी अंकित किया जाएगा।

विद्वान और धनवान होने से जरूरी है चरित्रवान होना

जौनपुर। मुफ्तीगंज के भोगीपट्टी गांव स्थित नर्वदेश्वर मंदिर परिसर में चल रहे श्रीराम कथा में संत मदन मोहन मिश्र ने कहा कि विद्वान और धनवान होने से चरित्रवान होना ज्यादा जरूरी है। रावण विद्वान, बलवान और धनवान से सुशोभित था, लेकिन चरित्रवान नहीं रहने के कारण उसका नाश हुआ। उन्होंने कहा कि रावण के पास अथाह धन संपदा रहने के साथ-साथ वह विद्वान व बलवान भी था, लेकिन चरित्रवान नहीं होने के कारण उसका नाश हुआ। भगवान शिव विवाह की सुंदर कथा का वर्णन करते हुए कहा कि शिव की पहली शादी राजा दक्ष की पुत्री सती से हुई थी। लेकिन दक्ष के यज्ञ में भगवान शिव के भाग नहीं लगने के कारण सती ने यज्ञ में कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी। उसके बाद शिव जी घोर तपस्या में चले गए और सती ने हिमवान के यहां जन्म लिया। देवताओं ने शिव का विवाह पार्वती से कराने के लिए एक योजना बनाई। उनकी तपस्या भंग करने के लिए कामदेव को भेजा गया। उसने शिव की तपस्या तो भंग कर दी लेकिन खुद भी भस्म हो गया। देवताओं के अनुरोध पर शिव जी बारात लेकर पार्वती के घर गए।

गूगल ने ईमेल भेजने वालों के लिए ब्लू चेकमार्क शुरू किया

नई दिल्ली (आईएएनएस)। ट्विटर के बाद अब गूगल ने भी ईमेल भेजने वालों के नाम के साथ ब्लू चेकमार्क लगाने की घोषणा की है ताकि उनकी पहचान सत्यापित की जा सके और धोखाधड़ी से बचा जा सके। कंपनी ने 2021 में पहली बार जीमेल में ब्रांड इंडीकेटर्स फॉर मेसेज आईडेंटीफिकेशन (बीआईएमआई) की शुरुआत की थी। इस फीचर के जरिए ईमेल भेजने वाले का ब्रांड

■ ब्लू चेकमार्क से पहचान सत्यापित की जा सकेगी और धोखाधड़ी से बचा जा सकेगा

लोगों भी उसके ईमेल के साथ दिखता है। कंपनी ने एक बयान में कहा, उस फीचर को और बेहतर बनाया गया है। उपभोक्ताओं को बीआईएमआई अपनाने वाले सेंडर के ईमेल में नाम के साथ चेकमार्क दिखेगा।

इससे उपभोक्ताओं को पता चल सकेगा कि कौन सा ईमेल सत्यापित सेंडर द्वारा भेजा गया है। यह फीचर रोलआउट कर दिया गया है और गूगल वर्कस्पेस, जी सूट बेसिक और बिजनेस के सभी ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। साथ ही व्यक्ति गत गूगल अकाउंट धारकों को भी यह सुविधा दी जा रही है। जिन कंपनियों ने बीआईएमआई का फीचर ले रखा हैं उन्हें खुद-ब-खुद चेकमार्क मिल जाएगा। टेक कंपनी ने कहा, ईमेल का मजबूत सत्यापन उपभोक्ताओं और ईमेल सिक्युरिटी सिस्टम को स्पैम की पहचान करने और उन्हें रोकने में मदद करता है।

ज्यादातर भारतीयों को है ग्लोबल वॉर्मिंग की चिंता

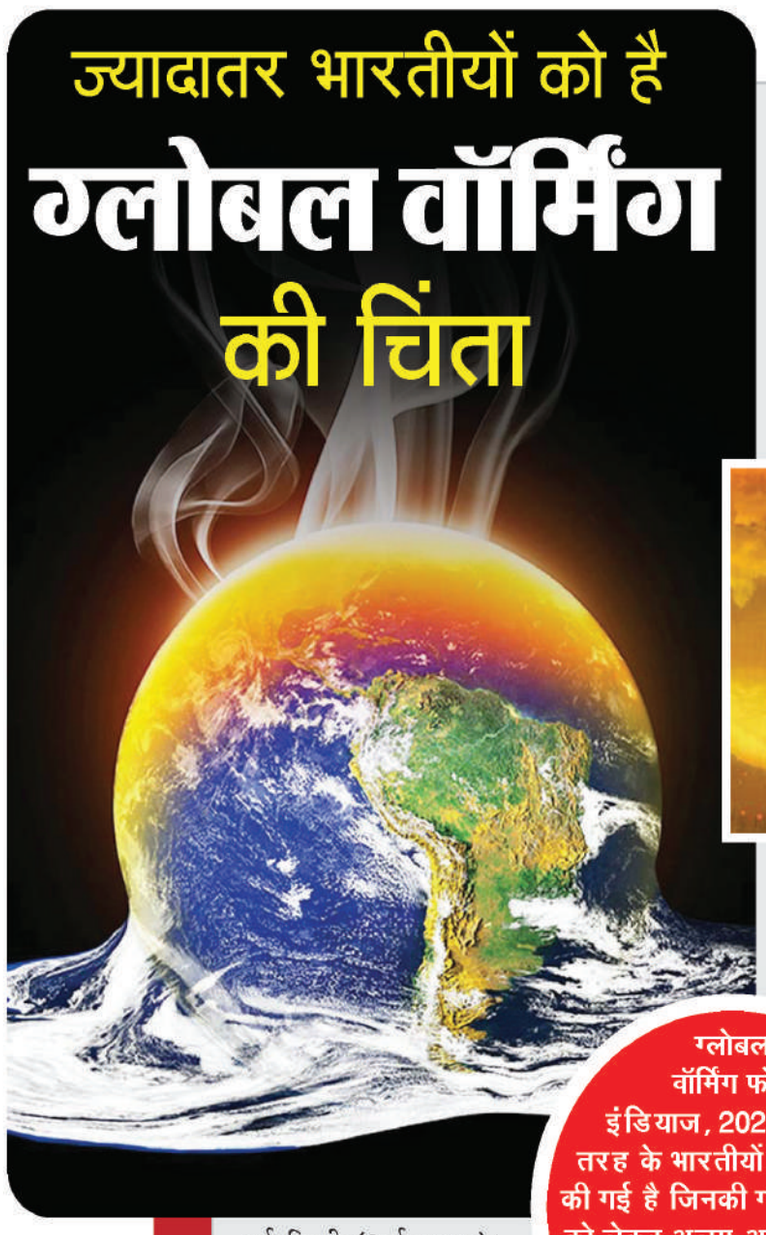

नई दिल्ली (आईएएनएस)। ग्लोबल वॉर्मिंग को लेकर ज्यादातर भारतीय चिंतित या सचेत हैं। जलवायु परिवर्तन संचार पर येल प्रोग्राम और सीवोटर इंटरनेशनल की गुरुवार को जारी रिपोर्ट में यह बात कही गई है। ग्लोबल वॉर्मिंग फोर इंडियाज, 2022 में चार तरह के भारतीयों की पहचान की गई है जिनकी ग्लोबल वॉर्मिंग को लेकर अलग-अलग धारणाएं हैं, वे सतर्क, चिंतित, सचेत और निश्चिंत की श्रेणी में हैं। अधिकांश भारतीय सतर्क (54 प्रतिशत) हैं। यह समूह ग्लोबल वार्मिंग की वास्तविकता और खतरों में सबसे ज्यादा यकीन करता है। वे इससे निपटने के लिए राजनीतिक और राष्ट्रीय स्तर की पहलों का समर्थन करते हैं तथा निजी स्तर पर काम करने के लिए प्रेरित होते हैं।

चिंतित श्रेणी में 29 प्रतिशत लोग हैं। उन्हें भी पता है कि ग्लोबल वॉर्मिंग हो रहा है और यह एक गंभीर खतरा है, लेकिन वे इसके बारे में ज्यादा नहीं जानते हैं। उन्हें लगता है कि इसका असर फिलहाल नहीं होने वाला है। ग्लोबल वॉर्मिंग के प्रति 11 प्रतिशत भारतीय सचेत हैं जबकि अन्य सात प्रतिशत निश्चिंत हैं। सचेत श्रेणी के लोग सोचते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग हो रहा है, लेकिन उन्हें इसके कारणों के बारे में निश्चित जानकारी नहीं है। उनके इसे एक ऐसे गंभीर खतरे के रूप में देखने की संभावना कम है जो उन्हें निजी तौर पर प्रभावित कर सकता है।

वे जलवायु और ऊर्जा नीतियों का समर्थन करते हैं, लेकिन राष्ट्रीय कार्रवाई के कम समर्थक हैं और सतर्क या चिंतित लोगों की तुलना में व्यक्तिगत कार्रवाई करने के लिए कम प्रेरित हैं। निश्चिंत श्रेणी के लोग

ग्लोबल वार्मिंग के बारे में बहुत कम जानते हैं, इस मुद्दे से कभी-कभार या बिल्कुल नहीं जुड़ते हैं और अक्सर इससे जुड़े सवालों के जवाब में कहते हैं कि उन्हें जानकारी नहीं है या कोई जवाब नहीं देते हैं। जलवायु परिवर्तन संचार पर येल कार्यक्रम में परियोजना सह-प्रमुख एंथनी लीसेरोविट्ज ने कहा, इस विश्लेषण से सरकारों, पत्रकारों, कंपनियों और अधिवक्ताओं को जलवायु परिवर्तन और इसके समाधान के मुद्दे पर लोगों को बेहतर ढ़ंग से समझने और संलग्न करने में मदद मिलेगी।

क्वींसलैंड विश्वविद्यालय में प्रोजेक्ट के सह-प्रमुख जगदीश ठाकर ने कहा, सभी चार श्रेणी के लोगों में अधिकतर ने वर्षा सहित स्थानीय मौसम पैटर्न में बदलाव देखा है। रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए क्लाइमेट ट्रेंड्स की निदेशक आरती खोसला ने बताया, भारत एक बेहद जलवायु संवेदनशील देश है। इस अध्ययन से यह स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन को अब दूर भविष्य की समस्या के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह वर्तमान का अनुभव है। सर्वेक्षण में हिस्सा लेने वाले चारों श्रेणी के लोगों ने जिस प्रकार की नीतियों का समर्थन किया है उससे पता चलता है कि वे न सिर्फ जलवायु परिवर्तन के मानवीय कारणों से परिचित हैं उन्हें यह भी पता है कि इससे निपटने के लिए किस तरह की नीतियों की जरूरत है, जैसे- पेरिस समझौता, जीवाश्म ईंधन का कम उपयोग, नवीकरणीय ऊर्जा के लिए भारत के संक्रमण के लिए समर्थन, अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में नौकरियों में लोगों को प्रशिक्षित करने के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम आदि।

ग्लोबल वॉर्मिंग फोर इंडियाज, 2022 में चार तरह के भारतीयों की पहचान की गई है जिनकी ग्लोबल वॉर्मिंग को लेकर अलग-अलग धारणाएं हैं, वे सतर्क, चिंतित, सचेत और निश्चिंत की श्रेणी में हैं

19 को रिलीज होगी कइसे हो जाला प्यार

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी फिल्मो के पावर स्टार पवन सिंह की फिल्म 'कइसे हो जाला प्यार' 19 मई को रिलीज होगी। फिल्म निर्माता और वितरक निशांत उज्जवल ने फिल्म कइसे हो जाला प्यार का पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया और कहा कि पावर स्टार पवन सिंह एक बार फिर से दर्शकों के बीच एक बेहतरीन फिल्म लेकर आ रहे हैं। अपने चहेते स्टार की फिल्म को प्यार और आशीर्वाद देने के लिए तैयार हो जाइए। निशांत उज्जवल ने कहा कि 'कइसे हो जाला प्यार' एक शानदार लव स्टोरी है, जिसके जरिए पवन सिंह और काजल राघवानी लंबे अरसे बाद एक बार फिर से बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं जिसको लेकर दोनों के फैंस को बेसब्री से इंतजार है।

सलमान खान को लेकर शेरखान बनाएंगे सोहेल खान

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड फिल्मकार सोहेल खान अपने भाई सलमान खान को लेकर फिल्म शेरखान बना सकते हैं। बॉलीवुड में चर्चा है कि सलमान अपने छोटे भाई सोहेल खान की ड्रीम फिल्म शेरखान पर काम शुरू कर सकते हैं। शेरखान हैवी वीएफएक्स के चलते शुरू नहीं हो पा रही थी। सोहेल इसे सालों पहले बनाना चाहते थे लेकिन हैवी वीएफएक्स के चलते वह इसे शुरू नहीं कर पाए। फिलहाल उन्होंने अपनी टीम के साथ मिलकर इसकी कहानी लॉक कर ली है। साथ ही सलमान खान से भी बात की है। सलमान शेरखान का हिस्सा बनने के लिए एक्साइटेड हैं। हो सकता है कि जल्द ही सलमान खान शेरखान शुरू कर दें। चर्चा है कि सोहेल खान अपनी ड्रीम फिल्म शेरखान के लिए बड़ी वीएफएक्स कम्पनी को साइन करेंगे, जो इसके सीन्स डिजाइन करेगी।

इलेक्ट्रिक और ऑटोमैटिक कारों से बढ़ रहा है मोशन सिकनेस

पेरिस (द कन्वरसेशन)। सामान्यतः लगभग 25-30 प्रतिशत लोग नियमित रूप से मोशन सिकनेस से पीड़ित होते हैं। इस खराब समझी जाने वाली बीमारी के लक्षणों में मतली, पसीना, पीलापन, हाइपोथर्मिया, सिरदर्द और उल्टी शामिल हैं। बीमारी से कम प्रभावित रोगियों को भी उनींदापन, उदासीनता या संज्ञानात्मक क्षमताओं में कमी का अनुभव हो सकता है। अनुमान है कि 60 से 70 प्रतिशत लोग यात्रा करते समय कभी न कभी इससे प्रभावित होते हैं। मोशन सिकनेस कारों में सबसे अधिक अनुभव किया जाता है, इसलिए कई बार इसके लिए कार सिकनेस शब्द का भी इस्तेमाल किया जाता है।

अकसर चालकों की बजाय, कार में सवार यात्री बीमार महसूस करते हैं क्योंकि वे रास्ते के घुमाव और उतार चढ़ाव का अनुमान नहीं लगा पाते और उनके लिए यह अप्रत्याशित रूप से होता है। आप सोच सकते हैं कि, ऑटोमोबाइल विकास की एक सदी से भी अधिक समय में, कार सिकनेस के इस मुद्दे को हल किया जाना चाहिए था। लेकिन मामला कुछ और ही है। इस समस्या की बजाय वाहनों में तकनीकी कायापलट पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है, विद्युतीकरण, डिजिटलीकरण और वाहनों के स्वचालन जैसे विकास लाभ के साथ ही कुछ समस्याएं भी लेकर आते हैं। वास्तव में, कुछ तकनीकी विकास असंतुलन की भावना पैदा कर सकते हैं या इसे बढ़ा सकते हैं और वाहन में सवार लोगों को रास्ते का अनुमान लगाने से बाधित करते हैं।

नतीजतन, उनके बार-बार बीमारी के लक्षणों से गुजरने का जोखिम बढ़ जाता हैं। स्वभाव से, एक इलेक्ट्रिक कार मोटर से चलने वाले इंजन की तुलना में अधिक रैखिक और शांत होती है। यह लाभ कुछ कार उपयोगकर्ताओं को वाहन की गति के अनुकूल होने से रोकने का नकारात्मक पक्ष है। उदाहरण के लिए, जबकि क्लासिक कारों में गति धीरे-धीरे बढ़ती है जबकि इलेक्ट्रिक कारें अचानक रफ्तार पकड़ लेती हैं और यात्री को अनुकूलन से वंचित कर देती हैं। इसमें इंजन का कंपन भी चला जाता है, जिसे कुछ लोग पसंद करते हैं।

■ अनुमान है कि 60 से 70 प्रतिशत लोग यात्रा करते समय कभी न कभी इससे प्रभावित होते हैं

मोशन सिकनेस को बढ़ाती हैं असंख्य स्क्रीनों की बढ़ती उपस्थिति

पुनर्योजी ब्रेकिंग का उपयोग, जो गतिज ऊर्जा को ब्रेकिंग से कैप्चर करता है और इसे विद्युत शक्ति में परिवर्तित करता है जो वाहन की उच्च वोल्टेज बैटरी को चार्ज करता है, भी यात्रियों के संतुलन को बिगाड़ सकता है। मोशन सिकनेस को प्रेरित करने वाली एक अन्य तकनीकी प्रगति वाहनों के अंदर लगातार बड़ी और असंख्य स्क्रीनों की बढ़ती उपस्थिति है। ये स्क्रीन उपयोगकर्ताओं को दृश्य जानकारी से भर देती हैं, जो उन्हें बाहर देखने से हतोत्साहित करती हैं। इस प्रकार वे 'सही' दृश्य संकेतों- यानी वाहन के बाहरी दृश्य- को ग्रहण करने की अपनी क्षमता खो देते हैं जो उन्हें सड़क पर अपनी स्थिति को सही ढ़ंग से समझने में मदद करता है। यह, बदले में, बीमारी को प्रेरित करता है।

गजनी 2 में काम करेंगे आमिर

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान अपनी सुपरहिट फिल्म गजनी के सीक्वल गजनी 2 में काम करते नजर आ सकते हैं। आमिर खान ने फिल्म इंडस्ट्री से ब्रेक ले रखा है। 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तान'और 'लाल सिंह चड्ढ़ा' की असफलता के बाद आमिर खान ने फिल्म इंडस्ट्री से ब्रेक ले लिया है। चर्चा है कि आमिर खान इन दिनों दक्षिण भारतीय सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के पिता अल्लू अरविंद के साथ मिलकर अगली फिल्मों पर चर्चा कर रहे हैं।

बताया जा रहा है कि फिल्ममेकर अल्लू अरविंद ने आमिर खान के साथ गजनी 2 को लेकर एक विचार साझा किया है। फिल्म गजनी में आमिर खान ने बिजनेसमैन संजय सिंघानिया का किरदार निभाया था। फिल्म गजनी ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। निर्माता अल्लू अरविंद ने संजय सिंघानिया के इसी किरदार को आगे लेकर गजनी 2 की भूमिका बनाई है, जिसके लिए आमिर खान से चर्चा चल रही है। यदि सब कुछ ठीक रहा तो जल्दी ही इसे लेकर मेकर्स एक बड़ा ऐलान कर सकते हैं।

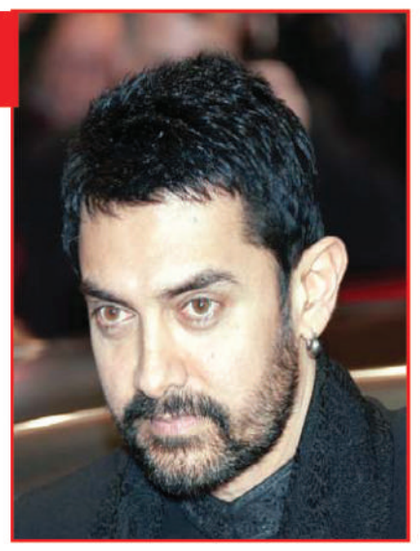

वेबसीरीज दहाड़ का ट्रेलर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की वेबसीरीज दहाड़ का ट्रेलर रिलीज हो गया है। सोनाक्षी सिन्हा ओटीटी पर डेब्यू करने जा रही हैं। उनकी पहली वेब सीरीज 'दहाड़'12 मई को अमेजॉन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने जा रही है। सोनाक्षी वेब सीरीज 'दहाड़' में पुलिस अफसर के रोल में नजर आएंगी। दहाड़ का ट्रेलर रिलीज हो गया है। दहाड़ का निर्देशन रीमा कागती और रुचिका ओबेरॉय ने मिलकर किया है।

'दहाड़' में सोनाक्षी सिन्हा, विजय वर्मा, गुलशन देवैया और सोहम शाह मुख्य भूमिका में हैं। ट्रेलर में दिखाया गया है कि विजय कम उम्र की लड़कियों को अपने जाल में फंसाकर उन्हें खुद अपनी जान लेने को मजबूर करते हैं। इस वजह से ये लड़कियां एक के बाद एक जहर खाकर सुसाइड कर लेती हैं। सीरीज में सोनाक्षी इसी गुत्थी को सुलझाने की कोशिश करती दिखेंगी। जोया अख्तर और रीमा कागती की बनाई गई यह वेब सीरीज भारत की पहली ऐसी वेब सीरीज है जो बर्लिन फिल्म फेस्टिवल में रिलीज की गई।

फीमेल सेंट्रिक स्पाई यूनिवर्स फिल्म में काम करेंगी कैटरीना-दीपिका

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ और दीपिका पादुकोण फीमेल सेंट्रिक स्पाई यूनिवर्स फिल्म में काम करती नजर आ सकती हैं। यशराज फिल्म्स स्पाई यूनिवर्स फिल्म टाइगर वर्सेज पठान बनाने जा रहा है। चर्चा है कि यशराज फिल्मस दीपिका पादुकोण और कैटरीना कैफ को साथ में लेकर एक एक्शन फिल्म बनाएगा। यशराज फिल्म्स एक फीमेल सेंट्रिक स्पाई यूनिवर्स फिल्म बनाने वाला है, जिसमें दीपिका पादुकोण और कैटरीना कैफ लीड रोल में नजर आ सकती हैं।

हर जॉनर की फिल्म में काम करना चाहती है आकांक्षा अवस्थी

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा अवस्थी हर जॉनर की फिल्म में काम करना चाहती है। खेसारी लाल यादव के साथ 'दबंग सरकार',पवन सिंह के साथ 'जय हिंद' और प्रदीप पांडेय चिंटू के साथ 'विवाह' में काम कर चुकी आकांक्षा अवस्थी की तीन फिल्में रिलीज को भी तैयार है। आकांक्षा अवस्थी की रिलीज होने वाली फिल्मों में हमार दबंग बहुरिया, अम्बा और मेरे पापा हैं।

आकांक्षा अवस्थी ने कहा कि फिल्मों की कहानी को पर्दे पर जीने में खूब मजा भी आता है और उसके लिए हार्ड वर्क भी करना होता है। लेकिन भोजपुरी के दर्शकों ने अपने प्यार और आशीर्वाद से जो मुकाम इतने कम समय में मुझे इंडस्ट्री में दिया है, उसके लिए मैं हार्ड वर्क से पीछे नहीं हटती। इसी का परिणाम है कि आज मेरी तीन खूबसूरत फिल्में दर्शकों के बीच आने को तैयार हैं, जबकि 4 अन्य फिल्मों की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है।

आकांक्षा अवस्थी ने बताया कि उनकी फिल्म चिंगारी, दुल्हिन नंबर 1, ब्लफ मास्टर और नेहिया के डोर की शूटिंग मई और जून में होनी है। इसके लिए उन्होंने अलग से तैयारी की है। उन्होंने कहा कि मुझे हर जॉनर की कहानी के साथ अलग-अलग किरदार को जीना बेहद पसंद रहा है।

खबर संक्षेप

एचडीएफसी के शुद्ध लाभ में 20 फीसदी का इजाफा

मुंबई। आवास ऋण कंपनी एचडीएफसी लिमिटेड ने ब्याज आय बढ़ने से वित्त वर्ष 2022-23 की अंतिम तिमाही में एकल आधार पर 4,425 करोड़ रुपये का शुद्ध एचडीएफसी ने गुरुवार को वित्तीय नतीजों की सूचना शेयर बाजारों को देते हुए कहा कि एक साल पहले की समान तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 3,700 करोड़ रुपये रहा था।

टाइटन का एकीकृत शुद्ध लाभ 40 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। टाटा समूह की कंपनी टाइटन का बीते वित्त वर्ष 2022-23 की अंतिम तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 40 प्रतिशत बढ़कर 736 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले की समान तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 527 करोड़ रुपये रहा था। कुल आय भी बढ़कर 10,474 करोड़ रुपये हो गई जबकि साल भर पहले की समान अवधि में यह 7,872 करोड़ रुपये थी।

रुपया दो पैसे की तेजी के साथ 81.78 प्रति डॉलर

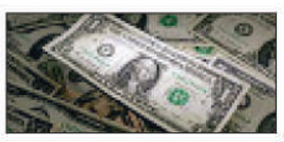

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले गुरुवार को दो पैसे की तेजी के साथ 81.78 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी बाजारों में डॉलर के कमजोर होने के कारण रुपये में यह तेजी आई। कच्चे तेल की कीमत 75 डॉलर प्रति डॉलर के नीचे आने से भी रुपए को समर्थन मिला।

अदाणी एंटरप्राइजेज का लाभ 137 % बढ़कर 722.5 करोड़

नई दिल्ली। अदाणी समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लि. का शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष 2022-23 की जनवरी-मार्च की चौथी तिमाही में 137 प्रतिशत उछलकर 722.48 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजार को यह जानकारी दी। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2021-22 की इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 304.32 करोड़ रुपये था।

अदाणी टोटल गैस की ऑडिट कंपनी 'व्यस्तता' के चलते हुई अलग

नई दिल्ली। अदाणी समूह की कंपनी अदाणी टोटल गैस की ऑडिटिंग का जिम्मा संभाल रही अहमदाबाद स्थित चार्टर्ड अकाउंटेंसी कंपनी ने 'व्यस्तता' की वजह से खुद को इससे अलग कर लिया है। अदाणी टोटल गैस लिमिटेड ने कहा कि मैसर्स शाह धंधरिया एंड कंपनी ने कंपनी के वैधानिक ऑडिटर के रूप में काम करने से इस्तीफा दे दिया है।

अमेरिका में पैसिफिक वेस्ट बैंक डूबने की कगार पर, कुछ घंटों में 50% टूटे शेयर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मौजूदा बैंकिंग संकट में अमेरिका के तीन बैंक डूब चुके हैं। हाल ही अमेरिका का दिग्गज बैंक फर्स्ट रिपब्लिक बैंक बंद हुआ है। इस बीच अमेरिका का एक और रीजनल बैंक डूबने के कगार पर पहुंच गया है। इसका नाम पैसिफिक वेस्ट बैंक है।

इस समय अमेरिका में साल 2008 के बाद का सबसे बुरा बैंकिंग संकट चल रहा है। पैसिफिक वेस्ट बैंक अब मदद के लिए पुकार रहा है। इस बैंक के शेयर कुछ ही घंटों में 56 फीसदी गिर गए हैं। शेयरों में बड़ी गिरावट के बाद कैलीफोर्निया बेस्ड यह बैंक खुद को बेचने के लिए सभी रणनीतिक विकल्पों पर विचार कर रहा है।

अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने से बढ़ा बैंकिंग संकट, हाल ही में फर्स्ट रिपब्लिक बैंक हुआ बंद

अमेरिका के 186 बैंकों पर गहराया संकट का साया

अमेरिकी बैंकिंग सेक्टर पर निगाह रखने वाले कई विशेषज्ञ ये आशंका जाहिर कर चुके हैं कि अमेरिका के कई दूसरे छोटे-बड़े बैंक भी इस बैंकिंग सुनामी का शिकार बन सकते हैं। हाल ही में जारी एक नई रिपोर्ट की मानें तो अमेरिका में 186 बैंक फिलहाल संकट का सामना कर रहे हैं। इस संकट काल में फेड रिजर्व की ओर से महंगाई को काबू में करने के लिए एक के बाद एक की जा रही ब्याज दरों में बढ़ोत्तरी भी हालात बदतर करती जा रही है।

खुद को बेचना चाहता है बैंक

ब्लूमबर्ग ने सूत्रों के हवाले से कहा कि बैंक खुद को बेचना चाहता है, लेकिन बोलीदाता बाहर नहीं आ रहे हैं। पैसिफिक वेस्ट बैंक कथित तौर पर कंपनी को स्प्लिट करने पर भी विचार कर रहा है। वहीं, वह खुद को सपोर्ट करने के लिए पैसा जुटाने की कोशिश भी कर रहा है।

पार्टनर्स और इन्वेस्टर्स के साथ चर्चा

पैसिफिक वेस्ट ने एक बयान में कहा, 'नॉर्मल प्रैक्टिस के अनुसार कंपनी और उसका डायरेक्टर बोर्ड लगातार रणनीतिक विकल्पों की समीक्षा कर रहे हैं।' बैंक ने कहा, 'हाल ही में कंपनी ने कई संभावित पार्टनर्स और इन्वेस्टर्स से संपर्क किया है- चर्चा चल रही है। कंपनी शेयरधारकों के हितों को बचाने के लिए सभी विकल्पों का मूल्यांकन कर रही है।'

फेड का दरें बढ़ाना पड़ गया भारी

कई दूसरे अमेरिकी रीजनल बैंकों की तरह ही पैसिफिक वेस्ट बैंक के लोन और बांड होल्डिंग्स की वैल्यू भी ब्याज दरें बढ़ने की वजह से काफी गिर गई है। जब अमेरिका में प्रमुख ब्याज दर जीरो के करीब थी, तब बैंकों ने भारी मात्रा में बांड और सिक्योरिटीज में इन्वेस्ट किया था। यूएस फेड द्वारा ब्याज दरों में लगातार बढ़ोतरी करने से इन बांड और सिक्योरिटीज की वैल्यू काफी गिर गई है। इससे बैंकों को काफी नुकसान हुआ है। यूएस फेड ने भी ब्याज दर में 0.25 फीसदी का इजाफा किया है।

बैंकिंग संकट के कारण ऋण की स्थिति सख्त हुई

यूएस फेड ने ब्याज दरें 25 बेसिस प्वाइंट बढ़ाई पॉवेल बोले-बैंकिंग संकट से हालात बिगड़े

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यूएस फेड ने यह फैसला 2-3 मई को हुई बैठक के बाद लिया है। ब्याज दरों को 25 बेसिस प्वाइंट बढ़ाकर 5 प्रतिशत से 5.25 प्रतिशत कर दिया गया है।

समिति ने कहा कि वह मुद्रास्फीति के जोखिम को लेकर 'अत्यधिक चौकस' है। ताजा बढ़ोतरी मार्च की बैठक में पिछली दर वृद्धि के समान ही थी और इसने लगातार दसवीं दर वृद्धि को चिह्नित किया। इससे पहले मार्च में भी ब्याज दरों में समान इजाफा किया गया है।

दसवीं बार ब्याज दरों में किया है इजाफा

फेड की ओर से लगातार दसवीं बार ब्याज दरों में वृद्धि की गई है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने दो दिवसीय मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के बाद कहा कि अमेरिका में हालिया बैंकिंग संकट के कारण ऋण की स्थिति और सख्त करनी पड़ी है। इससे आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है। पॉवेल ने एक सम्मेलन में कहा कि महंगाई से निपटने के लिए पिछले एक साल से पहले से ही मौद्रिक नीति में सख्ती बरती जा रही है।

अमेरिका की मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी (यूएस फेडरल रिजर्व) ने महंगाई को दो फीसदी पर ले जाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रमुख ब्याज दरों को और 25 बेसिस प्वाइंट बढ़ा दिया है।

- महंगाई को दो फीसदी पर ले जाने का लक्ष्य
- फैसला 2 से 3 मई की बैठक में लिया गया
- ब्याज दरें अब 5 फीसदी से बढ़कर 5.25 फीसदी की
- इससे पहले मार्च में भी ब्याज दर में वृद्धि की गई

ब्याज दर 2007 के बाद सबसे ऊंची : फेडरल रिजर्व की ओर से इस बढ़ोतरी से पहले ब्याज 5 फीसद थी और अब 5.25 फीसदी हो चुकी है। यह 2007 के बाद का हाई लेवल है। इस बढ़ोतरी से ऑटो लोन से लेकर क्रेडिट कार्ड बोरॉइंग और बिजनेस लोन की ब्याज दर दोगुना हो चुकी है।

फेड को होना पड़ा और सख्त

फेड प्रमुख के अनुसार मार्च की शुरुआत में बैंकिंग क्षेत्र में उभरे तनाव के कारण चीजें और कठिन हुई हैं। इसके परिणामस्वरूप परिवारों और व्यवसायों के लिए ऋण की स्थिति और सख्त की गई है। उन्होंने कहा कि ऋण की सख्त स्थिति का असर आर्थिक गतिविधियों, रोजगार और मुद्रास्फीति पर पड़ने की आशंका है। पॉवेल ने कहा कि इन प्रभावों की सीमा अनिश्चित बनी हुई है।

लोन और महंगा हो जाएगा

फेड रिजर्व ने कहा है कि इससे आगे कोई बढ़ोतरी नहीं होगी। बता दें फेड ने लगातार 10वीं बार रेट बढ़ाए हैं। पॉलिसी मीटिंग के बाद फेड रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने कहा कि बैंकिंग सिस्टम मजबूत और लचीला बना हुआ है। हालांकि खर्च और ग्रोथ दोनों की स्पीड सुस्त हो सकती है। फेड रिजर्व के इस कदम से अमेरिका में लोन और महंगा हो जाएगा।

नौकरी के अवसर घटे छंटनी हुई ज्यादा

इससे पहले अमेरिका के श्रम विभाग की एक मासिक रिपोर्ट मंगलवार को जारी हुई थी। इसमें यह जिक्र था कि नौकरी के अवसर गिर गए और मार्च में छंटनी बढ़ गई। अमेरिकी की कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने अपने यहां खर्च कम करने के लिए बड़े पैमाने पर छंटनी की। बहुराष्ट्रीय कंपनियों में गूगल, माइक्रोसाफ्ट, मेटा आईबीएम जैसी बड़ी कंपनियां है।

अदाणी ने म्यामां बंदरगाह का बिक्री सौदा किया पूरा

- एपीएसईजेड ने तीन करोड़ डॉलर में किया सौदा पूरा
- मई 2022 में शेयर खरीद करार की घोषणा की थी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने कुल तीन करोड़ डॉलर में म्यामां बंदरगाह की बिक्री का सौदा पूरा कर लिया है। कंपनी ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

एपीएसईजेड ने मई, 2022 में म्यामां बंदरगाह की बिक्री के लिए शेयर खरीद करार (एसपीए) की घोषणा की थी। एसपीए में परियोजना को पूरा करने और खरीदार को कारोबार करने के लिए सुगमता से जरूरी मंजूरियों जैसी शर्तें शामिल थीं। एपीएसईजेड ने बयान में कहा कि मंजूरी प्रक्रिया में देरी और कुछ शर्तों को पूरा करने की चुनौती के मद्देनजर एपीएसईजेड ने इसके लिए 'जहां है, जैसा है' के आधार पर स्वतंत्र मूल्यांकन हासिल किया था। कंपनी ने कहा कि इसके बाद इस सौद पर नए सिरे से बातचीत हुई।

यह सौदा तीन करोड़ डॉलर में हुआ है। बयान में कहा गया है कि खरीदार द्वारा कंपनी को सभी जरूरी अनुपालन पूरा करने के तीन कारोबारी दिन में इस राशि का भुगतान किया जाएगा। सौदे की पूरी राशि मिलने के बाद एपीएसईजेड खरीदार को इक्विटी का हस्तांतरण करेगी और इससे बाहर निकल जाएगी।

अक्टूबर 2021 में जोखिम समिति ने दी थी सिफारिशें

एपीएसईजेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) करण अदाणी ने कहा कि जोखिम समिति ने अक्टूबर, 2021 में जो सिफारिशें दी थीं उनके आधार पर कंपनी के निदेशक मंडल ने इस तरह का कदम उठाने की अनुमति दी थी। यह परियोजना उस समय विवादों के घेरे में आ गई थी जब करण अदाणी के वरिष्ठ जनरल म्यामां सेना के प्रमुख मिन आंग हलिंग से मिलने की खबरें आई थीं।

शेयर बाजार में तेजी लौटी सेंसेक्स 556 अंक चढ़ा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

विदेशी कोषों के प्रवाह और एचडीएफसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी कुछ बड़ी कंपनियों में लिवाली से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में तेजी लौटी और दोनों प्रमुख सूचकांक करीब एक प्रतिशत तक चढ़ गए।

बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 555.95 अंक यानी 0.91 प्रतिशत चढ़कर 61,749.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 604.61 अंक तक उछल गया था। निफ्टी भी 165.95 अंक यानी 0.92 प्रतिशत तेजी के साथ 18,255.80 अंक पर पहुंच गया।

कोटक सिक्योरिटीज लिमिटेड ने कहा कि भविष्य में दर वृद्धि को लेकर फेडरल रिजर्व का नरम रुख सामने आने से निवेशकों की धारणा में सुधार देखा गया और बैंकिंग शेयरों में जमकर लिवाली हुई। दरअसल, अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के नीतिगत

- निफ्टी 166 अंक मजबूत 18256 अंक पर
- एचडीएफसी, रिलायंस में रही खरीदारी

ब्याज दर में एक और वृद्धि करने के फैसले का असर देखा गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा स्टील में बढ़त दर्ज की गई। मार्च तिमाही में 20 प्रतिशत शुद्ध लाभ कमाने वाली आवास वित्त कंपनी एचडीएफसी का शेयर 2.59 प्रतिशत चढ़ गया।

इन शेयरों में रही गिरावट

दूसरी तरफ इंडसइंड बैंक, नेस्ले, पावर ग्रिड, आईटीसी, टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में गिरावट रही। व्यापक बाजार में बीएसई स्मॉलकैप 0.83 प्रतिशत चढ़ा, जबकि मिडकैप में 0.82 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

- 4.25 लाख नौकरियां दीं : रिपोर्ट
- 163 भारतीय कंपनियों ने किया निवेश

भारतीय कंपनियों ने अमेरिका में किया 40 अरब डॉलर का निवेश

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में भारत की 163 भारतीय कंपनियों ने अबतक 40 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है जिससे देश में करीब 4,25,000 नौकरियां पैदा हुई हैं। एक सर्वेक्षण में यह तथ्य सामने आया है।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के 'इंडियन रूट्स, अमेरिकन सॉयल' शीर्षक वाले सर्वे को बुधवार को अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने जारी किया। इस अवसर पर भारत में अमेरिका के नामित राजदूत

एरिक गार्सेटी भी मौजूद थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय कंपनियों ने अमेरिका में कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व पर लगभग 18.5 करोड़ डॉलर खर्च किए हैं। अमेरिका आधारित शोध एवं विकास परियोजनाओं में उनका वित्तपोषण करीब एक अरब डॉलर है। संधू ने इस मौके पर बड़ी संख्या में उपस्थित भारतीय कंपनियों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा, 'अमेरिका में भारतीय कंपनियां मजबूती, जुझारूपन और प्रतिस्पर्धा ला रही हैं। ये रोजगार पैदा कर रही हैं और स्थानीय समुदायों को समर्थन दे रही हैं। भारतीय कंपनियों के प्रतिनिधि यहां एक सम्मेलन में भाग लेने आए हैं।

जुझारू क्षमता का किया प्रदर्शन

रिपोर्ट में कहा गया है कि 163 भारतीय कंपनियों ने अमेरिका में 40 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है। इससे देश में लगभग 4,25,000 नौकरियां पैदा हुई हैं।

रिलायंस को आरएसआईएल से अलग करने की मंजूरी मिली

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरधारकों, ऋणदाताओं ने कंपनी की वित्तीय सेवा इकाई रिलायंस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट लिमिटेड (आरएसआईएल) को अलग करने की योजना को मंजूरी दे दी है। रिलायंस ने शेयर बाजार को बताया कि इस संबंध में दो मई को हुई शेयरधारकों की बैठक में वित्तीय सेवा इकाई को अलग करने के पक्ष में 99.99 प्रतिशत मत पड़े। बिना गारंटी वाले लगभग 99.99 प्रतिशत ऋणदाताओं ने इस प्रस्ताव के पक्ष में मत दिया जबकि गारंटी वाले 100 प्रतिशत ऋणदाता इस प्रस्ताव के पक्ष में थे। रिलायंस के प्रत्येक शेयर पर अलग होने वाली कंपनी का 10 रुपये मूल्य का एक शेयर जारी किया जाएगा।

सोना 940 रुपए उछलकर 62,020 रुपए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में गुरुवार को सोने का भाव 940 रुपए उछलकर 62,020 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 61,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 660 रुपये की तेजी के साथ 76,700 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय बाजार में कल रात की तेजी के बाद घरेलू बाजार में सोना रिकॉर्ड ऊंचाई को छू गया।' विदेशी बाजारों में सोना तेजी के साथ 2,039.50 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी बढ़कर 25.50 डॉलर

- चांदी में 660 रुपए की तेजी

प्रति औंस पहुंच गयी। मानक ब्याज दर में 25 आधार अंक (चौथाई प्रतिशत) की हालिया बढ़ोतरी के बाद अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा अगली बैठक से सख्त मौद्रिक नीति पर रोक लगाने के संकेत से डॉलर और बांड प्रतिफल में गिरावट आने के कारण बृहस्पतिवार को एशियाई कारोबारी घंटों में सोने की कीमतों में तेजी आई।

बिजनेस साइट

रामकृष्ण केयर में एंजियोप्लास्टी के जटिल केस का सफल इलाज

- छत्तीसगढ़ में ऑर्बिटल एथेरेक्टॉमी का उपयोग करने वाला पहला मामला

रायपुर। अपनी उच्च चिकित्सकीय सेवाओं के लिए प्रतिबद्ध रामकृष्ण केयर हास्पिटल (आरकेसीएच) रायपुर में अनुभवी डॉक्टरों की एक टीम ने एंजियोप्लास्टी के एक जटिल मामले का समाधान सफलतापूर्वक इलाज के साथ पूरा किया है। इस प्रक्रिया में ऑर्बिटल एथेरेक्टॉमी नामक एक नई तकनीक का उपयोग शामिल है। छत्तीसगढ़ में ऑर्बिटल एथेरेक्टॉमी का उपयोग करने वाला यह पहला मामला हैं। मरीज पूरी तरह से स्वस्थ है और जल्द ही उसे छुट्टी दी जा रही है। 72 साल के एक मरीज को सीने में दर्द और कार्य करने पर सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। डाक्टरों ने एंजियोग्राफी करने पर पाया कि दिल की रक्त वाहिकाओं में कई रुकावटें थीं। डॉ जावेद अली खान ,डॉ शैलेष शर्मा और डॉ जावेद परवेज के नेतृत्व में हृदय रोग विशेषज्ञों की एक टीम ने मरीज पर उच्च तकनीक वाली प्रक्रिया अपनाने का फैसला किया। मरीज के दिल की रक्त वाहिकाओं में बहुत अधिक कैल्शियम था, तब ऐसी स्थिति में ऑर्बिटल एथेरेक्टॉमी के उपयोग से कैल्शियम के इलाज और रुकावटों को दूर करने में मदद मिली। आरकेसीएच के प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप दवे ने डॉक्टरों की टीम को बधाई दी।

ओला, एथर, हीरो मोटोकॉर्प, टीवीएस वाहन निर्माताओं ने की घोषणा

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनियां ग्राहकों को 287 करोड़ का करेंगी रिफंड

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक वाहनों की डिमांड बीते कुछ समय में देश भर में तेजी से बढ़ी है, ख़ासकर टू-व्हीलर सेग्मेंट में लोगों ने जमकर इलेक्ट्रिक स्कूटर और बाइक्स खरीदे हैं। अब इन इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर मालिकों के लिए एक बड़ी ख़बर आई है।

- कंपनियों द्वारा चार्जर के लिए लिया गया अलग से अमाउंट लौटाना होगा

प्रमुख इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता कंपनियां ओला इलेक्ट्रिक, हीरो मोटोकॉर्प, एथर एनर्जी और टीवीएस मोटर कंपनी, ईवी ऑफ-बोर्ड चार्जर के लिए अलग से बिल किए गए अमाउंट को रिफंड यानी कि वापस करने की योजना बना रही हैं। इसके लिए कुछ कंपनियों ने अपनी सहमति भी जता दी है। ओला इलेक्ट्रिक ने सोशल मीडिया के माध्यम से घोषणा कि, वो इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स के चार्जर के लिए बिल किए गए अमाउंट को ग्राहकों को वापस करेगी। इस बयान में ये भी कहा गया है कि, ये रिफंड योग्य ग्राहकों को ही दिया जाएगा।

हालांकि कंपनी ने रिफंड किए जाने वाले अमाउंट के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन एक रिपोर्ट के अनुसार ओला ग्राहकों को तकरीबन 130 करोड़ रुपए वापस करेगा।

क्या है मामला

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर निर्माता कंपनियां अपने वाहनों पर ग्राहकों को सब्सिडी देने के लिए ईवी चार्जर की कीमत अलग से वसूल रही थीं। ये मामला उस वक्त शुरू हुआ जब ओकिनावा ऑटोटेक और हीरो इलेक्ट्रिक द्वारा फेम II योजना के नियमों का उल्लंघन करने की बात सामने आई। अनियमितताओं का पता चलने के बाद केंद्र ने ईवी निर्माताओं को फेम लाभ देना बंद कर दिया था। इतना ही नहीं दो इलेक्ट्रिक दोपहिया निर्माताओं को प्रोत्साहन लाभ प्राप्त करने से निलंबन का सामना करना पड़ा।

हीरो मोटो ने घटाई स्कूटर की कीमत : इस घटना के बाद हीरो मोटोकॉर्प ने अपने विडा वी1 प्लस और वी1 प्रो रेंज के इलेक्ट्रिक स्कूटर की कीमतों में भारी कटौती की है। इस तरह ये पहली कंपनी बनी है जिसने आधिकारिक तौर पर वाहनों की कीमत में कटौती की है।

क्या है नियम

फेम II नियमों के तहत, ऐसे इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन जिन्हें 1.5 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की रिटेल प्राइस पर बेचा जाता है, वे सरकार द्वारा संचालित 10,000 करोड़ रुपए के कार्यक्रम के तहत लाभ के पात्र नहीं हैं। एमएचआई की जांच में पाया गया कि, ओला इलेक्ट्रिक, एथर इलेक्ट्रिक, टीवीएस मोटर और हीरो विडा को कथित तौर पर सब्सिडी लाभ प्राप्त करने के लिए अपने वाहनों की गलत कीमत तय की थी।

ये ब्रांड्स भी करेंगे रिफंड!

एक रिपोर्ट के अनुसार, ओला इलेक्ट्रिक के अलावा एथर एनर्जी तकरीबन 140 करोड़ रुपए, टीवीएस मोटर्स अपने आईक्यूब इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदारों को तकरीबन 15.61 करोड़ रुपए, हीरो मोटोकॉर्प अपने विडा वी1 प्लस इलेक्ट्रिक स्कूटर के ग्राहकों को 2.23 करोड़ रुपए वापस करेगा। एथर एनर्जी बीते 12 अप्रैल तक बेचे गए वाहनों पर रिफंड देगा, जबकि टीवीएस मोटर्स और हीरो मोटोकॉर्प मार्च-23 तक बेचे गए वाहनों पर रिफंड करेगा।

वीवाय हॉस्पिटल में 5-6 मई को स्पाईन व 14 को रूमेटायट विशेषज्ञ रहेंगे उपलब्ध

रायपुर। वीवाय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में अत्याधुनिक चिकित्सा व सर्जरी के लिए, विशेषज्ञ डाक्टर्स की टीम, मरीजों की देखभाल के लिए अनुभवी व प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ उपलब्ध है।

वीवाय हॉस्पिटल में समय-समय पर, देश के अन्य राज्यों के प्रतिष्ठित हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सकों की ओपीडी एवं सर्जरी सेवाएं भी उपलब्ध रहती हैं, जिससे यहाँ के मरीजों को जटिल बीमारियों के इलाज के लिए, महानगरों में जाने की जरूरत नही पड़ती। इसी क्रम में दीनानाथ मंगेशकर हॉस्पिटल पुणे के स्पाइन सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. अमोल रेगे, शुक्रवार 5 मई को शाम 5.00 से 6.00 बजे तक और शनिवार 6 मई

2023 को प्रातः 10.00 बजे से 2.00 बजे तक मरीजो को ओपीडी मे परामर्श देंगे। इसी क्रम में सर गंगाराम हॉस्पिटल न्यू दिल्ली के रूमेटोलॉजिस्ट डॉ. वेद चतुर्वेदी रविवार 14 मई को प्रातः 8.30 से शाम 6.00 बजे तक जोड़ो में दर्द, जकड़न, सूजन, जोड़ों मे टेढ़ापन, घुटनों में दर्द, कमर में दर्द व जकड़न, पूरे शरीर की मासपेशियो में दर्द की समस्या वाले मरीजो को परामर्श के लिये उपलब्ध रहेंगे।

रोमांचक मुकाबले में केकेआर भारी

वरुण रहे मैच के हीरो, अंतिम ओवर में नौ की जगह तीन रन देकर केकेआर को दिलाई पांच रन से जीत

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल के 47वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को कोलकाता राइटराइडर्स ने पांच रन से हरा दिया। अपने होमग्राउंड राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में हैदराबाद को अंतिम गेंद पर हार का सामना करना पड़ा। सनराइजर्स हैदराबाद को आखिरी ओवर में 9 रन की जरूरत थी, इस ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने तीन ही रन दिए और अपनी टीम को जीत दिला दी। हैदराबाद से आखिरी ओवर में अब्दुल समद और भुवनेश्वर कुमार बैटिंग कर रहे थे। वरुण ने शुरुआती 2 गेंद पर 2 रन देने के बाद तीसरी बॉल पर समद को आउट कर दिया। उन्होंने आखिरी तीन गेंदों पर एक ही रन दिया और टीम को जीत दिला दी। कोलकाता के कप्तान नीतीश राणा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। उनकी टीम ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 171 रन बनाए। जवाब में सनराइजर्स की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 166 रन ही बना सकी। इससे पहले नीतीश राणा (42) और रिंकु सिंह (46) की महत्वपूर्ण पारियों की मदद से कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग में गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद के सामने 172 रन का लक्ष्य रखा। नीतीश ने 31 गेंद पर तीन चौकों और तीन छक्कों के साथ 42 रन बनाये। रिंकु ने 35 गेंद पर चार चौकों और एक छक्के के साथ 46 रन का योगदान दिया। अन्य बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण टीम 20 ओवर में 171 रन तक ही पहुंच सकी।

स्कोर बोर्ड

कोलकाता नाइट राइडर्स	रन	गेंद	4/6
जेसन रॉय कै. अग्रवाल बो. त्यागी	20	19	4/0
गुरबाज कै. बूक बो. जानसेन	00	01	0/0
वेंकटेश कै. क्लासेन बो. जानसेन	07	04	1/0
नितिश रान कै. एंड बो. मार्करम	42	31	3/3
रिंकु कै. अब्दुल बो. नटराजन	46	35	4/1
रसैल कै. नटराजन बो. मारकंडे	24	15	1/2
सुनील कै. अग्रवाल बो. कुमार	01	02	0/0
शार्दुल कै. अब्दुल बो. नटराजन	08	06	1/0
अंकुल रॉय नाबाद	13	07	2/0
हर्षित राना रनआउट	00	01	0/0
वैभव अरोरा नाबाद	02	01	0/0

अतिरिक्त: 08, **कुल:** 20 ओवर में नौ विकेट पर 171 रन **विकेट पतन:** 1-08, 2-16, 3-35, 4-96, 5-127, 6-130, 7-151, 8-168, 9-168 **गेंदबाजी:** भुवनेश्वर कुमार 4-0-33-1, मार्को जानसेन 3-0-24-2, कार्तिक त्यागी 2-0-30-1, मार्करम 3-0-24-1, टी. नटराजन 4-0-30-2, मयंक मारकंडे 4-0-29-1,

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4/6
मयंक कै. गुरबाज बो. हर्षित राना	18	11	2/1
अभिषेक कै. रसैल बो. शार्दुल	09	10	1/0
राहुल त्रिपाठी कै. अरोरा बो. रसैल	20	09	3/1
मार्करम कै. सिंह बो. अरोरा	41	40	4/0
बूक एलबीडब्ल्यू बो. अंकुल राय	00	04	0/0
क्लासेन कै. रसैल बो. शार्दुल	36	20	1/3
समद कै. अंकुल बो. वरुन	21	18	3/0
जानसेन कै. गुरबाज बो. अरोरा	01	04	0/0
भुवनेश्वर कुमार नाबाद	05	05	1/0
मारकंडे	01	02	0/0

अतिरिक्त: 14 कुल: 20 ओवर में आठ विकेट पर 166 रन **विकेट पतन:** 1-29, 2-37, 3-53, 4-54, 5-124, 6-145, 7-152, 8-165 **गेंदबाजी:** हर्षित राना 4-0-27-1, वैभव अरोरा 3-0-32-2, शार्दुल ठाकुर 3-0-23-2, आंद्रे रसैल 1-0-15-0, अंकुर राय 3-0-26-1, सुनील नारायण 2-0-16-0, वरुन चक्रवर्ती 4-0-20-1,

सीजन में चौथी बार लक्ष्य का पीछा करते हुए हारी सनराइजर्स

हैदराबाद और कोलकाता के बीच 2020 से यह आठवां मुकाबला था। कोलकाता ने छठी जीत हासिल की है। उसे दो मुकाबलों में ही हार का सामना करना पड़ा है। सनराइजर्स की टीम इस सीजन में पांचवीं बार रन चेज कर रही थी। उसे चौथी बार हार का सामना करना पड़ा। सनराइजर्स हैदराबाद ने 16 से 20 ओवर के बीच तीन विकेट गंवाए। उसने इस दौरान सिर्फ 32 रन बनाए। एक समय उसे जीत के लिए 30 गेंद पर 38 रन बनाने थेए लेकिन टीम इस आसान लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाई।

हैदराबाद ने पावरप्ले में गंवाए तीन विकेट

172 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद की शुरुआत खराब रही। टीम ने चौथे ओवर में दोनों आरंभिक बल्लेबाज के विकेट गंवा दिए। इसके बाद छठे ओवर में राहुल त्रिपाठी भी आंद्रे रसैल की बॉल पर कैच हो गए। टीम ने छह ओवर में 53 रन के स्कोर पर तीन विकेट गंवा दिए।

क्लासेन-मार्करम ने पारी को संभाला

54 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद हेनरिक क्लासेन और ऐडन मार्करम ने हैदराबाद की पारी संभाली। दोनों ने मिलकर 47 गेंद पर ही 70 रन की पार्टनरशिप की। क्लासेन 36 रन बनाकर आउट हुए। मार्करम भी 41 रन बनाकर 17वें ओवर में आउट हो गए।

केकेआर की खराब शुरुआत

केकेआर ने टॉस जीतकर चुनी और सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज पहली ही गेंद पर आउट होकर पवेलियन लौट गये। उनके जोड़ीदार ओपनर जेसन रॉय ने 19 गेंदें खेलीं लेकिन वह भी सिर्फ 20 रन ही बना सके। वेंकटेश अय्यर (चार गेंद, सात रन) का विकेट गिरने के साथ केकेआर ने पावरप्ले में 49 रन बनाये, जिसके बाद रिंकु और नीतीश ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिये 40 गेंद पर 61 रन की साझेदारी हुई। केकेआर 10 ओवर में 90 रन बनाने के बाद बड़े स्कोर की ओर बढ़ती दिख रही थी लेकिन नीतीश का विकेट गिरने के बाद पारी की रफ्तार थम गयी। मार्करम ने अपनी ही गेंद पर नीतीश का कैच लपक कर उन्हें पवेलियन भेजा। रिंकु ने कुछ देर के लिये रसैल के साथ भी पांचवें विकेट के लिये 31 रन जोड़े। रसैल 15 गेंद पर 24 रन बनाने के बाद मयंक मारकंडे का शिकार हो गये। रिंकु सिंह ने केकेआर को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने का संघर्ष जारी रखा, हालांकि दूसरे छोर से सुनील नरेन (एक रन) और शार्दुल ठाकुर (आठ रन) एक के बाद एक पवेलियन लौट गये।

आईपीएल डायरी

धर्मशाला। मई में लगातार हो रही बेमौसमी बारिश से एचपीसीए और यहां खेलने वाली टीमों की चिंता बढ़ सकती है। अभी धर्मशाला में होने वाले आईपीएल मैचों के करीब दो हफ्ते का समय है। मई में अमूमन मौसम साफ रहता है। कांगड़ा जिले में लगातार बारिश हो रही है। बारिश के साथ ठंड का प्रकोप भी जारी है। इधर, मैच के दौरान बारिश न हो, इसके लिए सात मई को एचपीसीए के पदाधिकारी खनियारा स्थित इंद्रुनाग देवता के मंदिर में शीश नवाएंगे। इंद्रुनाग को बारिश का देवता माना जाता है। माना जाता है कि क्षेत्र में जितने भी छोटे-बढ़े आयोजन होते हैं तो इंद्रुनाग देवता से बारिश न होने के लिए पूजा-अर्चना की जाती है।

आईपीएल 2023 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
गुजरात टाइटंस	09	06	03	12	0.532
राजस्थान रॉयल्स	09	05	04	10	0.800
लखनऊ सुपर जायंट्स	09	05	04	10	0.639
चेन्नई सुपर किंग्स	09	05	04	10	0.329
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	09	05	04	10	-0.030
पंजाब किंग्स	09	05	04	10	-0.447
मुंबई इंडियंस	08	04	04	08	-0.502
कोलकाता नाइट राइडर्स	10	04	06	08	-0.103
सनराइजर्स हैदराबाद	09	03	06	06	-0.540
दिल्ली कैपिटल्स	09	03	06	06	-0.768

मैच नंबर 48, शुक्रवार 5 मई, सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर

बाबर के साथ मिलकर भतीजे ने तोड़ा इंजमाम का रिकॉर्ड

कराची। तीसरे वनडे मैच में पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को 26 रन से हराकर वनडे सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में पाक ने पहले बल्लेबाजी की और 50 ओवर में 6 विकेट पर 287 रन बनाए। वहीं न्यूजीलैंड की टीम 49.1 ओवर में 261 रन ही बना सकी। पाकिस्तान की ओर से इमाम उल-हक ने 107 गेंद पर 90 रन और बाबर आजम ने 62 गेंद पर 54 रन की पारी खेली। बता दें कि बाबर और इमाम ने एक खास रिकॉर्ड भी बना दिया।

Filmiतड़का

मेट गाला में ईशा ने भाभी श्लोका की बहन मेहता संग दिए पोज

नई दिल्ली। मेट गाला इवेंट में ईशा अंबानी और उनकी भाभी श्लोका मेहता की बहन दिया मेहता भी स्टाइलिश अंदाज में नजर आई। इनकी साथ में अनसीन तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। हाल ही में हुए सबसे बड़े फैशन इवेंट मेट गाला 2023 के रेड कार्पेट पर तमाम सेलेब्स के साथ ईशा अंबानी और उनकी भाभी श्लोका मेहता की सिस्टर दिया मेहता भी नजर आई थीं। इवेंट में ईशा और दिया ने एक साथ कैमरे के लिए पोज दिए थे। न्यूयॉर्क में हुए मेट गाला में ईशा और दिया की बॉन्डिंग देखते ही बन रही थीं। दोनों के एक-दूसरे के साथ कई तस्वीरें क्लिक कराईं। दीया ने अपने वेस्टर्न लुक को इंडियन टच देने के लिए लंबी चोटी बनाई थी और राधा-कृष्ण की मूर्ति वाला एक बेहद खूबसूरत क्लिप से उसे सजाया था, जो उनके लुक में चार चांद लगा रहा था।

जिम के बाहर स्पॉट हुईं जाह्नवी कपूर

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर को पपराजी ने जिम के बाहर कुछ इस अंदाज में स्पॉट किया। इस दौरान जाह्नवी कपूर का वर्कआउट लुक उन पर काफी सूट कर रहा था। इन फोटोज में जाह्नवी कपूर जिम से बाहर आती दिखाई दे रहीं हैं, जिनमें वो बेहद सिंपल लुक में दिखाई दे रहीं हैं। इस दौरान जाह्नवी व्हाइट टी-शर्ट के साथ ब्लैक शॉर्ट्स में नजर आईं।

आमिर ने किया साउथ का रुख

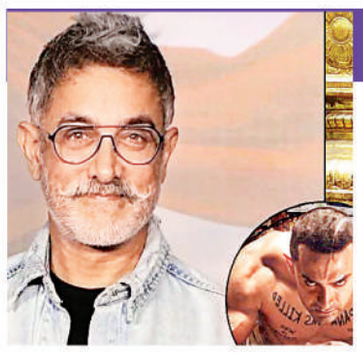

अल्लू अर्जुन के पापा के साथ बनाएंगे गजनी-2!

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान जल्द ही गजनी-2 पर काम शुरू करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो लाल सिंह चड्ढा के फ्लॉप होने के बाद अब आमिर खान साउथ फिल्म इंडस्ट्री के साथ मिलकर काम करने वाले हैं। कहा जा रहा है कि उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म गजनी-2 के लिए अल्लू अर्जुन के पिता अल्लू अरविंद बात कर रहे हैं। बता दें, दोनों एक-दूसरे के साथ काम करने के इच्छुक हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ महीनों में आमिर और अल्लू अरविंद की कई बार मुलाकात हो चुकी है। दोनों सिर्फ गजनी-2 पर ही नहीं बल्कि कई प्रोजेक्ट्स पर बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक अन्य प्रोजेक्ट के बारे कोई बात सामने नहीं आई। रिपोर्ट के मुताबिक, अल्लू अरविंद के पास गजनी-2 का आइडिया है और वे आमिर के साथ संजय सिंघानिया की कहानी को आगे लेकर जाना चाहते हैं। हालांकि, अभी तक आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। कहा जा रहा है कि सबकुछ तय होने के बाद फिल्म के मेकर्स गजनी-2 की अनाउंसमेंट करेंगे।

सगाई की खबरों के बीच आईपीएल मैच देखने पहुंचे राघव-परिणीति

मुंबई। सगाई की खबरों के बीच परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा एक बार फिर साथ नजर आए। रूमर्ड कपल पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियन्स का मैच देखने के लिए मोहाली स्टेडियम पहुंचा। सोशल मीडिया एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दोनों एक साथ मैच देखते नजर आ रहे हैं। चर्चित वीडियो में परिणीति और राघव अपने फैंस को नमस्ते करते और उनके लिए हाथ हिलाते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान जहां परिणीति ने ब्लैक ड्रेस पहनी है, तो वहीं राघव ब्लू शर्ट में नजर आ रहे हैं। दोनों को साथ देखकर स्टेडियम में फैंस 'परिणीति भाभी जिंदाबाद' के नारे लगा रहे हैं। मैच के बाद से ही परिणीति और राघव का यह वीडियो बेहद सुर्खियों में है। सगाई की खबरों के बाद यह रूमर्ड कपल का पहला पब्लिक अपीयरेंस है। हालांकि अभी तक राघव या परिणीति में से किसी ने भी अपनी सगाई को लेकर पुष्टि नहीं की है।

स्टेडियम में लगे परिणीति भाभी जिंदाबाद के नारे

क्वार्टर फाइनल में पहुंचे नरेंद्र

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप : गोविंद और दीपक भी आगे बढ़े

ताशकंद। भारतीय मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल, गोविंद साहनी और दीपक कुमार ने गुरुवार को आईबीए पुरुष विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2023 में अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। पिछली बार विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल चरण तक पहुंचने वाले नरेंद्र (92+ किग्रा) ने करीबी प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबले में ताजिकिस्तान के मुहम्मद अब्रोरिदिनोव को 4-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। नरेंद्र को पिछले राउंड में बाई मिली थी। नरेंद्र ने अब्रोरिदिनोव के खिलाफ मुकाबले में शक्तिशाली मुक्के लगाए और कम दूरी से चकमा देकर अपने प्रतिद्वंद्वी के हमलों को बेकार किया।

जूनियर एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित

भारत और चिर-प्रतिद्वंद्वी पाक एक ही ग्रुप में

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने 23 मई से एक जून तक ओमान के सलालाह में होने वाले बहुप्रतीक्षित पुरुष जूनियर एशिया कप 2023 के लिए 18 सदस्यीय भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम की घोषणा गुरुवार को की। यह इस दिसंबर मलेशिया में होने वाले एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग इवेंट होगा। भारत को पूल-ए में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, जापान, थाईलैंड और चीनी ताइपे के साथ रखा जाएगा, जबकि कोरिया, मलेशिया, ओमान, बांग्लादेश और उज्बेकिस्तान को पूल-बी में रखा जाएगा। भारतीय जूनियर पुरुष टीम अनुभवी खिलाड़ियों से सजी हुई है, जो इससे पहले ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित 2021 एफआईएच जूनियर विश्व कप में खेलने के साथ-साथ 10वें सुल्तान जोहोर कप 2022 का खिताब भी जीत चुके हैं। उत्तम सिंह को टीम का कप्तान और बॉबी सिंह धामी को टीम का उपकप्तान बनाया गया।

भारतीय जूनियर पुरुष टीम

गोलकीपर : मोहित एचएस, हिमवान सिहाग।

डिफेंडर : शारदानंद तिवारी, रोहित, अमनदीप लाकड़ा, आमिर अली, योगंबर रावत।

मिडफील्डर : विष्णुकांत सिंह, राजेंद्र सिंह, पूवन्ना सी बी, अमनदीप, सुनीत लाकड़ा।

फॉरवर्ड : बॉबी सिंह धामी, अरिजीत सिंह हुंदल, आदित्य लालगे, उत्तम सिंह, सुदीप चिरमाको, अंगद बीर सिंह।

जबलपुर ने रोमांचक मुकाबले में भोपाल को हराया

एसएम खान ट्रॉफी इंटर डिविजनल टूर्नामेंट

भोपाल। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अंतर्गत एसएम खान ट्रॉफी लिमिटेड ओवर्स इंटर डिविजनल टूर्नामेंट बीडीसीए द्वारा आयोजित भोपाल के फेथ मैदान पर जबलपुर संभाग और भोपाल संभाग के बीच मैच खेला गया। जबलपुर संभाग के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जबलपुर संभाग ने 34 ओवरों में 143 रन बनाकर पूरी टीम ऑल आउट हो गई। बल्लेबाजी में आरव शर्मा 50 रन, हर्ष कुमार मंगलानी 28 रन, श्रीमंत पाटनकर 19 रन, शलोक बड़कुल ने 18 रनों का योगदान अपनी टीम को दिया। भोपाल संभाग से गेंदबाजी करते हुए शिवांश चतुर्वेदी ने चार विकेट, उज्जवल पालीवाल ने तीन विकेट, प्रारब्ध मिश्रा ने 2 विकेट एवं तनिष्क यादव ने एक विकेट लिया। जवाब में भोपाल संभाग ने बल्लेबाजी करते हुए 48.4 ओवरों में 141 रन बनाकर पूरी टीम ऑल आउट हो गई। बल्लेबाजी में गौरव धाकड़ नाबाद 34 रन और रिचित चौहान 40 रन के बीच 77 रनों की साझेदारी हुई। तनिष्क यादव, हर्ष सेठी 15-15 रन एवं विकास शर्मा ने 10 रन का योगदान अपनी टीम को दिया। जबलपुर संभाग से गेंदबाजी करते हुए मयंकेश सिंह ने पांच विकेट, आयुष सिंह ने तीन विकेट लिए। इस तरह जबलपुर संभाग ने 2 रनों से यह मैच जीत लिया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार एमपीसीए पर्यवेक्षक अनिल जोशी, बीडीसीए सचिव रजत मोहन वर्मा, सह सचिव शांति कुमार जैन द्वारा जबलपुर संभाग के मयंकेश सिंह पांच विकेट को प्रदान किया।

बिरसा मुंडा क्रिकेट लीग की पहल अनुकरणीय : सीएम

मुख्यमंत्री से लीग की 32 टीम के कप्तान एवं उप कप्तानों ने की भेंट

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि योग्यता और प्रतिभा होते हुए भी कई बार इसके प्रकटीकरण का हमें अवसर नहीं मिलता। राज्य शासन प्रयासरत है कि प्रदेश के दूरस्थ अंचलों में निवासरत युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण और सुविधा उपलब्ध हो। इस उद्देश्य से शैक्षणिक संस्थाओं के साथ खेल और कला के क्षेत्र में उभर रहे युवाओं को आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। बिरसा मुंडा क्रिकेट लीग के माध्यम से हुई पहल अनुकरणीय है। मुख्यमंत्री श्री चौहान बिरसा मुंडा क्रिकेट लीग की 32 टीम के कप्तान एवं उप कप्तानों से निवास कार्यालय समत्व भवन में संवाद कर रहे थे। युवा आयोग के अध्यक्ष श्री निशांत खरे भी साथ थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि रोजगार के साथ युवाओं को अपना स्वयं का कार्य शुरू करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण और सहयोग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रभावी योजनाएं आरंभ की गई हैं। उन्होंने पेसा नियमों के क्रियान्वयन और सिकल सेल एनीमिया के संबंध में जागरूकता के लिए संचालित गतिविधियों में सहभागी बनने युवाओं को प्रेरित किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सरकार और समाज द्वारा संयुक्त रूप से किए गए कार्य अधिक प्रभावी होते हैं। मुख्यमंत्री ने युवाओं द्वारा अलीराजपुर के सिविल अस्पताल का नाम अमर शहीद छीतू किराड़ के नाम पर करने की मांग पर सहमति दी। पश्चिमी मध्यप्रदेश के जनजातीय क्षेत्र की प्रतिभाओं को खेलों में आगे आने का मौका देने के उद्देश्य से इंदौर में पांच दिवसीय बिरसा मुंडा क्रिकेट टूर्नामेंट किया गया था। टूर्नामेंट में सनावद, पानसेमल, महेश्वर, अलीराजपुर, धार, खरगोन, बागली, सेंधवा, भगवानपुरा, धमतरी, मूसाखेड़ी और कुक्षी सहित क्षेत्रीय टीमों ने भाग लिया।

भारत के स्कॉटलैंड की खूबसूरती देख भूल जाएंगे विदेशी नजारे

अक्सर हमारे दिल में यह चाहत होती है कि विदेश यात्रा की जाए। लेकिन पैसे, पासपोर्ट या वीजा के कारण कई बार हमारी यह इच्छा अधूरी रह जाती है। अगर आपका भी विदेश घूमने का सपना सिर्फ ख्वाब बनकर रह गया है। तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आपको बता दें कि भारत में कई ऐसी जगहें हैं जो विदेशी जगहों को टक्कर देती हैं। भारत में खूबसूरत पहाड़ों के अलावा आपको शानदार समुद्र के किनारे भी देखने को मिलेंगे। पेरिस, स्कॉटलैंड और स्विट्जरलैंड घूमने का सपना देखने वाले लोग अपने देश में विदेशी नजारों की तरह कुछ जगहें हैं। ऐसे में अगर आप भी स्कॉटलैंड जाने का ख्वाब देख रहे हैं। तो भारत के स्कॉटलैंड की सैर कर सकते हैं। भारत के स्कॉटलैंड को घूमने के लिए आपको अधिक खर्चा भी करने की जरूरत नहीं है। साथ ही यहां पर घूमने के लिए पासपोर्ट और वीजा की भी जरूरत नहीं हैं। आइए जानते हैं भारत के स्कॉटलैंड के बारे में, जो आपको विदेश यात्रा का अनुभव करवाएंगी। कर्नाटक राज्य में एक खूबसूरत हिल स्टेशन मौजूद है। जिसे भारत का स्कॉटलैंड कहा जाता है। बता दें कि समुद्र तल से 900 मीटर से अधिक ऊंचाई पर स्थित इस खूबसूरत हिल स्टेशन के नजारे देख आपका दिल खुश हो जाएगा। इस खूबसूरत जगह का नाम कुर्ग हिल स्टेशन है। यहां पर घूमने के लिहाज से बहुत सुंदर जगह है। यहां पर मौजूद कई पर्यटन स्थल हैं, जो आपके सफर को और भी खूबसूरत बना देंगे। कुर्ग के आसपास घूमने के लिए कई बेहतरीन जगहें हैं। कुर्ग में आप ईरपु फॉल्स, नालबंद पैलेस, राजा की गुंबद, अब्बे फॉल्स और मदिकेरी किले घूम सकते हैं। इसके अलावा यहां पर आप ओंकारेश्वर मंदिर,नामद्रोलिंग मठ और मंडलपट्टी व्यू पॉइंट में भी घूमने का आनंद ले सकते हैं। कुर्ग के लिए आप एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन दोनों ही सुविधाएं मिलेंगी। अगर आप फ्लाइट से कुर्ग जाने का प्लान कर रहे हैं तो मैंगलोर इंटरनेशनल एयरपोर्ट नजदीक है। इस एयरपोर्ट से कुर्ग 137 किमी दूर है। वहीं ट्रेन से जाने के लिए आपको सबसे नजदीकी रेलने स्टेशन मैसूर जंक्शन मिलेहा। यहां से कुर्ग की दूरी करीब 117 किमी है।

ट्रंप गुप्त भुगतान के मामले में अदालत में नहीं हुए पेश

न्यूयार्क, (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कथित गुप्त भुगतान मामले में सुनवाई के लिए गुरुवार को अदालत में पेश नहीं हुए। यह जानकारी बचाव पक्ष के वकील गेडालिया स्टर्न ने दी। अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार श्री ट्रम्प को गुरुवार सुबह न्यूयॉर्क शीर्ष अदालत में पेश होना था। उल्लेखनीय है कि श्री ट्रम्प पर अप्रैल 2016 में राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान वयस्क फिल्म अभिनेत्री स्टॉर्मी डेनियल्स के साथ एक कथित संबंध से जुड़े 130,000 डॉलर के गुप्त भुगतान और फर्जी व्यापार रिकॉर्ड के 34 मामले दर्ज किए हैं। अभियोजकों ने श्री ट्रम्प पर चुनाव में हिंसा और कर कानूनों के उल्लंघन का आरोप लगाया।

सूडान की सेना सात दिन के संघर्ष विराम पर सहमत

खार्तूम, (एजेंसी)। सूडान के सशस्त्र बलों ने पूर्वी अफ्रीका में विकास पर अंतर सरकारी प्राधिकरण (आइजीएडी) के प्रस्तावित चार से 11 मई (सात दिन) के मानवीय संघर्ष विराम पर सहमति दे दी है। सेना ने बुधवार को एक बयान में कहा कि सशस्त्र बलों ने महाद्वीप की समस्याओं के अफ्रीकी समाधान के सिद्धांत के आधार पर और मानवीय पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आइजीएडी के प्रस्ताव पर अपनी सहमति व्यक्त की है। सूडान सेना अमेरिका-सऊदी युद्धविराम पहल पर भी विचार कर रही है। सेना ने कहा कि हमें आशा है कि प्रतिद्वंद्वी रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) प्रस्तावित संघर्ष विराम की आवश्यकताओं का सम्मान करेंगे। सूडानी सशस्त्र बलों और आरएसएफ के नेताओं ने चार से 11 मई तक संघर्ष विराम पर सहमति व्यक्त की है। सेना के प्रमुख अब्देल फतह अल बुरहान और आरएसएफ नेता मोहम्मद हमदान दगालो ने बातचीत के लिए प्रतिनिधियों के नाम पर सहमति दी।

नाटो एशिया के जापान में खोलेगा पहला ऑफिस

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका की अगुवाई वाले सैन्य संगठन उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के एक फैसले से चीन की चिंता बढ़ गई है। खबर है कि नाटो जल्द ही जापान में अपना दफ्तर खोलने जा रहा है। यह एशिया में नाटो का पहला ऑफिस होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार इस कार्यालय के जरिए नाटो को जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे प्रमुख भागीदार देशों के साथ समय-समय पर विचार-विमर्श करने में मदद मिलेगी। ये वही देश हैं, जिनके समक्ष चीन की बढ़ती ताकत से खतरा बना हुआ है, लेकिन चीन ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि जियोपॉलिटिकल प्रतिस्पर्धा के लिए एशिया को अखाड़ा नहीं बनने देना चाहिए। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि बीजिंग इसके पक्ष में नहीं है। इससे क्षेत्र में शांति और स्थिरता को कमतर करेगा और इससे टकराव बढ़ेगा।

पावागढ़ में छत का हिस्सा गिरा, एक श्रद्धालु की मौत

पंचमहल, (एजेंसी)। गुजरात के पंचमहल जिले में पावागढ़ काली मंदिर के फिर से बनाए गए नए परिसर का एक हिस्सा गुरुवार दोपहर को भारी बारिश के दौरान गिर गया। इस हादसे में एक महिला श्रद्धालु की मौत हो गई और दो नाबालिगों समेत कम से कम नौ श्रद्धालु घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक मंदिर के नए परिसर के माची के रास्ते में पत्थरों से बने धनुषाकार गज़ेबो का एक हिस्सा अचानक ढह गया था। पुलिस ने मृतक श्रद्धालु की पहचान गंगा देवीपूजक (40) के रूप में की है। घायलों को पहले हलोल रेफरल अस्पताल ले जाया गया। बाद में बेहतर इलाज के लिए उन सबको वडोदरा रेफर कर दिया गया। अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि किसी भी मरीज की हालत गंभीर नहीं है। कुछ घायलों की पहचान 21 साल के मीना पलाश और राजवंश देवीपूजक, 18 साल के सुमित्रा राठवा, 25 साल के विजय भाईलाल देवीपूजक, 5 साल के मारी विजय देवीपूजक, 28 साल के दीपक देवीपूजक, 30 साल के सोनल देवीपूजक और 2 साल के दक्ष देवीपूजक के रूप में हुई है।

आज का इतिहास

- **1479:** सिखों के तीसरे गुरु अमरदास का जन्म।
- **1836:** बेल्जियम में यूरोप की पहली रेल लाईन शुरू हुई।
- **1883:** सुरेन्द्र नाथ बनर्जी जेल जाने वाले पहले पत्रकार बने।
- **1916:** भारत के पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह का जन्म।
- **1919:** पेरिस में रेडक्रॉस सोसायटी की स्थापना।
- **1926:** पहली बार जर्मनी में आइंसटीन की फिल्म बैटलशिप पोटेमकिन दिखाई ।
- **1932:** जापान और चीन ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- **1936:** इटली के सैनिकों ने इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा पर कब्जा।
- **1937:** परमवीर चक्र सम्मानित भारतीय सैनिक मेजर होशियार सिंह का जन्म।

पाक ने विदेशी मंचों पर छोड़ा राग-ए -कश्मीर

एससीओ में शामिल होने गोवा पहुंचे बिलावल भुट्टो का सत्कार

पणजी ■ एजेंसी

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी भारत आए हैं। वह गुरुवार दोपहर को गोवा पहुंचे, जहां शंघाई सहयोग संगठन की मीटिंग में हिस्सा लेंगे। बीते 12 सालों में यह पहला मौका है, जब पाकिस्तान का कोई विदेश मंत्री भारत आया है।

एससीओ मीटिंग से इतर भारत और पाकिस्तान के नेताओं के बीच कोई बातचीत होगी, इस बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। वह गुरुवार को कराची से गोवा पहुंचे और उन्हें ताज एग्जॉटिका फाइव स्टार होटल में ठहराया गया है। पाकिस्तानी मंत्री का स्वागत एयरपोर्ट पर जॉइंट सेक्रेटरी जेपी सिंह ने किया, जो विदेश मंत्रालय में पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान डेस्क का नेतृत्व करते हैं।

भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर की ओर से गुरुवार शाम को ही एससीओ देशों के विदेश मंत्रियों के लिए डिनर का आयोजन किया गया जिसमें जयशंकर ने बुलावल भुट्टो का हाथ मिलाकर स्वागत किया।

इसके अलावा एक सांस्कृति कार्यक्रम भी हुआ इसमें भी बिलावल भुट्टो जरदारी ने हिस्सा लिया। बिलावल भुट्टो के भारत आने को पाकिस्तान के एजेंडे में बड़े बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है। अब तक उसकी ओर से कश्मीर के मुद्दे की आड़ लेकर अहम मंचों से दूरी बनाई जाती रही थी। वहीं भारत ने आतंकवाद खत्म हुए बिना बातचीत से इनकार किया है। ऐसे में पाकिस्तान का कश्मीर राग छोड़कर भारत आना बड़े बदलाव का संकेत है।

जयशंकर से मिले क्विन गांग

पणजी, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को चीन के अपने समकक्ष क्विन गांग के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की जिसमें समझा जाता है कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जारी विवाद का विषय प्रमुख रहा। यह बैठक संघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की परिषद (सीएफएम) की बैठक से इतर तटीय रिसॉर्ट में हुई। बैठक से पहले जानकारी सूत्रों ने बताया कि पूर्वी लद्दाख में तीन वर्षों से जारी सीमा विवाद बातचीत के केंद्र में रहेगा। जयशंकर और गांग की पिछले दो महीनों में यह दूसरी मुलाकात है।

पाक जाएंगे चीनी विदेश मंत्री

नई दिल्ली, (एजेंसी)। गोवा में एससीओ के विदेश मंत्रियों की मीटिंग चल रही है। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए चीनी विदेश मंत्री किन गैंग, रूसी विदेश मंत्री लावरोव पहुंच चुके हैं। इसके अलावा पाक विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी भी कराची से सीधे गोवा पहुंचे। इस बीच खबर है कि चीनी विदेश किन गैंग गोवा में एससीओ समिट से निकलकर सीधे पाकिस्तान पहुंचेंगे।

कर्नाटक में छोटे दलों की हलचल

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव एकबार फिर कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी की नाक का सवाल बना हुआ है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह चुनाव भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस पार्टी के लिए कांटे की टक्कर वाला होगा। इस चुनाव में छोटी पार्टियां अहम किरदार निभाएंगी। कांग्रेस के घोषणा पत्र की भाजपा ने प्रतियां जलाई।

कांग्रेस के घोषणा पत्र की भाजपा ने जलाई प्रतियां

बता दें कि एक ओर जहां कांग्रेस पार्टी देश में सिमटती अपनी साख को बचाने में जीजान से जुटी है वहीं भाजपा एक बार फिर कर्नाटक में अपनी वापसी को लेकर मैदान में उतरने को तैयार है। लेकिन राजनीति जानकारों का मानना है कि भाजपा, कांग्रेस और जनता दल (सेक्युलर) का खेल बिगाड़ सकती हैं छोटी पार्टियां। 224 विधानसभा सदस्यों वाली कर्नाटक में भाजपा, कांग्रेस और जनता दल तीन पार्टियां ही प्रमुख दावेदार मानी जा रही हैं। लेकिन आप, कम्युनिस्ट पार्टी यहां तक की कर्नाक जनता पक्ष भी यहां की राजनीति में बड़ा नाम हैं जो भाजपा के आंकड़े में अहम भूमिका निभा सकती हैं।

'कर्नाटक की अर्जुन' बने जनता, भविष्य पर वोट करें

कनकगिरि, (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने गुरुवार को पीएम नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि वो कर्नाटक विधानसभा चुनाव के प्रचार में सिर्फ इधर-उधर की बातें कर रहे हैं, लेकिन '40 प्रतिशत कमीशन सरकार' के भ्रष्टाचार और जनता के काम की बात नहीं करते। उन्होंने कोप्पल कनकगिरि इलाके में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए लोगों का आह्वान किया कि वो 'कर्नाटक के अर्जुन बन जाए' और सिर्फ अपने भविष्य को लक्ष्य बनाकर वोट करें।

शिमला ननि चुनाव में कांग्रेस की स्पष्ट जीत

शिमला, (एजेंसी)। शिमला नगर निगम चुनाव में गुरुवार को कांग्रेस ने जीत का परचम लहरा दिया। नगर निगम के 34 वार्डों के लिए दो मई को मतदान हुआ था तथा 102 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। चुनाव के नतीजे घोषित हो चुके है। कांग्रेस ने 24 वार्डों में जीत दर्ज कर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नौ और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने एक वार्ड में जीत हासिल की।

राज्य चुनाव आयोग की ओर से गुरुवार को नगर निगम शिमला के चुनाव परिणाम घोषित किए गए हैं। इसके लिए सुबह 10 बजे से मतगणना की गई। आयोग के जारी परिणाम में कांग्रेस ने शानदार जीत हासिल की है, जबकि भाजपा के हाथ से सत्ता चली गई है।

कुछ वार्डों में रोचक नतीजे आए हैं। कांग्रेस और भाजपा के कुछ दिग्गज चुनाव हार गए हैं। भाजपा की मेयर रही सत्या कौंडल को इस चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। संजौली चौक से कांग्रेस की ममता चंदेल ने पूर्व मेयर एवं भाजपा उम्मीदवार सत्या कौंडल को 196 मतों से हराया। कांग्रेस से बागी होकर कृष्णानगर वार्ड से निर्दलीय लड़े पूर्व मेयर सोहन लाल भी चुनाव हार गए हैं।

कांग्रेस की धमाकेदार जीत के बावजूद वार्ड नम्बर-1 भराड़ी वार्ड से शिमला शहरी कांग्रेस के अध्यक्ष जितेंद्र चौधरी को भी हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुई मीना चौहान ने उन्हें 382 मतों के बड़े अंतर से हराया।

प्रयागराज में कम मतदान, नाम हटे

प्रयागराज, (ब्यूरो)। नगर निकाय चुनाव के पहले चरण में प्रयागराज नगर निगम और नगर पंचायतों में मतदान शांतिपूर्ण निपट तो गया लेकिन नगर निगम क्षेत्र में मतदान फीसदी सिर्फ 31.46 ही पहुंच पाया है।

इसका बड़ा कारण शहरी क्षेत्र में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से नदारद मिले। कई कॉलोनियों में सैकड़ों मतदाता सूची से गायब मिले। शांतिपुरम के सेक्टर-ए में करीब 250 मतदाताओं में से महज 60 वोट सूची में मिले।

पाक के पूर्व पीएम इमरान का पैर टूटा

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का पैर एक बार फिर से फ्रैक्चर हो गया है। उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का कहना है कि लाहौर हाईकोर्ट में धक्का-मुक्की के दौरान इमरान खान का पैर टूट गया।

पीटीआई पार्टी के सांसद शिबली फराज ने बताया कि लाहौर हाईकोर्ट में मंगलवार को पेशी के दौरान हुई हाथापाई की वजह से इमरान खान का पैर फ्रैक्चर हो गया। डॉक्टरों ने उन्हें 10 दिनों तक आराम की सलाह दी है। उन्होंने शहबाज सरकार पर सुरक्षा इंतजाम नहीं करने का आरोप लगाया।

कार्यकर्ताओं की मांग का सम्मान होगा : शरद पवार

मुंबई, (एजेंसी)। शरद पवार के राकांपा अध्यक्ष पद से इस्तीफे का पार्टी कार्यकर्ता लगातार विरोध कर रहे हैं। इस पर पवार ने गुरुवार को कहा कि कार्यकर्ताओं की मांग का सम्मान किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे दुख है कि कार्यकर्ताओं से बिना बात किए ही मैंने इस्तीफा दे दिया। अब शुक्रवार को 15 सदस्यीय कमेटी जो फैसला लेगी, मुझे मंजूर होगा। इधर, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने भी उनसे फैसला वापस लेने की अपील की थी। एनसीपी सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार को शरद पवार के इस्तीफे के ऐलान के कुछ घंटों के अंदर ही दोनों ने सुप्रिया सुले को फोन करके यह बात कही थी। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि राहुल, स्टालिन दोनों ही यह जानना चाहते थे कि पवार ने पार्टी अध्यक्ष का पद छोड़ने का फैसला क्यों किया है। दोनों नेताओं ने पवार की बेटी और एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले को फोन करके कहा था कि वे अपने पिता को इस्तीफा वापस लेने मनाएं।

कमेटी जो फैसला लेगी वह मुझे मंजूर

उद्धव शिवसेना ने बताया सुप्रिया हों राकांपा अध्यक्ष

मुंबई,(एजेंसी)। शरद पवार के इस्तीफे के बाद एनसीपी का अध्यक्ष कौन होगा इसको लेकर पूरे महाराष्ट्र में चर्चा चल रही है। एनसीपी का अध्यक्ष बनने की रेस में सुप्रिया सुले और अजित पवार का नाम चर्चा में है लेकिन अभी तक कुछ साफ नहीं है, क्योंकि शरद पवार ने अंतिम फैसला लेने के लिए दो-तीन दिनों का वक्त मांगा है। एनसीपी का नया अध्यक्ष किसे बनाया जाए इसको लेकर शिवसेना की अपनी प्रतिक्रिया दी है। शिवसेना के मुखपत्र सामना में लिखे संपादकीय में उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को परोक्ष तौर पर एनसीपी के नए अध्यक्ष के लिए सुप्रिया सुले के नाम की पैरवी की।

पवार के इस्तीफे के बाद एक्टिव हुए जयंत पाटिल: इसी बीच एनसीपी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने पवार के इस्तीफे को लेकर पार्टी के विधायकों और पूर्व विधायकों से रायशुमारी शुरू कर दी है। जयंत पाटिल महाराष्ट्र राज्य के नेताओं के अलावा देश के दूसरे राज्य के पदाधिकारियों से भी उनकी राय जानने की कोशिश कर रहे हैं।

सेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त, दोनों पायलट हो गए घायल, एक अन्य की मौत

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में गुरुवार को मड़वा नदी के किनारे सेना का एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार दो पायलट घायल हो गए और एक वायुसेनाकर्मी की मौत हो गई। सेना की उत्तरी कमान के प्रवक्ता ने बताया कि तीनों घायलों को उधमपुर के कमान अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सेना का उन्नत हल्का हेलीकॉप्टर ध्रुव संचालन उड़ान पर था और पूर्वान्न करीब 11:15 बजे पर इसे किश्तवाड़ जिले में मड़वा नदी के किनारे के निकट आपात स्थिति में उतरना पड़ा। पायलट ने वायु नियंत्रण कक्ष को हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने और आपात स्थिति में उतरने की जानकारी दी थी। उपयुक्त जगह नहीं होने से हेलिकॉप्टर जमीन से टकरा गया। सेना की बचाव टीमों ने दोनों पायलट को अस्पताल में भर्ती कराया।

कश्मीरः सुरक्षा बलों ने दो आतंकियों को मार गिराया

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों ने गुरुवार सुबह आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादियों को मार गिराया। पुलिस ने बताया कि 24 घंटे से भी कम समय में कश्मीर में यह दूसरी मुठभेड़ थी। एक सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि बारामूला के वानीगाम क्रीरी क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की जानकारी मिलने के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरु किया गया। सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गए। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, (एडीजीपी) कश्मीर, विजय कुमार ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान शोपियां जिले के शाकिर माजिद नजर और हनान अहमद सेह के रूप में हुई, दोनों आतंकवादी संगठन लश्कर से जुड़े हुए थे।

डीआरडीओ के वैज्ञानिक कुरूलकर को पुणे में एटीएस ने किया गिरफ्तार

पुणे, (एजेंसी)। पुणे में डीआरडीओ के एक साइंटिस्ट को पाकिस्तानी एजेंट को सूचना देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

दरअसल, महाराष्ट्र एटीएस ने प्रदीप कुरूलकर को पुणे से गिरफ्तार किया है। कुरूलकर डीआरडोओ में बतौर वैज्ञानिक कार्यरत हैं। आरोप है कि उन्होंने हनी ट्रैप में फंसकर पाक को खुफिया जानकारियां मुहैया कराई है। प्रदीप कुरूलकर ने व्हाट्सऐप कॉल और व्हाट्सऐप मैसेज के जरिए डीआरडीओ की खुफिया जानकारी पाकिस्तान के गुप्तचर विभाग को दी है। इसके लिए उन्हें पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटिव हेंडलर ने हनी ट्रैप में फंसाया था। फिलहाल एटीएस उन्हें गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई है। पाक की खुफिया एजेंसी के गुर्गों के साथ संपर्क साधा।

पाक को दे रहा था खुफिया जानकारी

जातिगत जनगणना पर हाईकोर्ट से लगी रोक

- **नीतीश सरकार को हाईकोर्ट से बड़ा झटका**
- **3 जुलाई को अगली सुनवाई, तब तक स्टे**

पटना, (एजेंसी)। पटना हाईकोर्ट से प्रदेश की नीतीश कुमार सरकार को बड़ा झटका लगा है। दअरसल हाईकोर्ट ने जातिगत जनगणना पर रोक लगा दी है। जातीय गणना के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए पटना हाईकोर्ट ने गुरुवार को अंतरिम आदेश जारी किया। ममजे में चीफ जस्टिस के विनोद चंद्रन और जस्टिस मधुरेश प्रसाद की पीठ ने आदेश जारी किया है।

इस केस की अगली सुनवाई 3 जुलाई को होगी, तब तक जातिगत जनगणना पर स्टे रहेगा। पटना हाईकोर्ट ने अंतरिम आदेश जारी कर जातिगत गणना पर स्टे लगाया है। महाधिवक्ता पीके शाही ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अभी तक उन्होंने फैसले की पूरी कॉपी पढ़ी नहीं है। पढ़ने के बाद ही इस पर कुछ बता पाएंगे। हाईकोर्ट के खिलाफ शीर्ष अदालत में जाना है या नहीं, इसपर भी फैसला अभी नहीं लिया गया है।

राज्य सरकार को गणना कराने का अधिकार

पटना हाईकोर्ट में जातीय गणना के खिलाफ दायर याचिकाओं पर बहस के दौरान नीतीश सरकार की ओर से अपना पक्ष रखा गया। सरकार ने कहा कि राज्य सरकार को गणना कराने का अधिकार है। यह जनगणना नहीं है। इसमें आर्थिक रूप से पिछड़े समेत अन्य लोगों की गणना करनी है। उन्होंने कहा कि जाति आधारित गणना में लोगों से 17 प्रश्न पूछे जा रहे हैं।

नर्सिंग छात्राओं की वार्डन ने की कपड़े उतारकर चैकिंग

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली के एक नर्सिंग कॉलेज में दो छात्राओं के कपड़े उतरवाकर उनकी जांच किए जाने का सनसनीखेज मामले सामने आया है। पुलिस अधिकारियों ने सूचना दी है कि अहिल्या बाई कॉलेज ऑफ नर्सिंग की दो छात्राओं का आरोप है कि हॉस्टल की वार्डन ने उनके कपड़े उतरवाकर उनकी जांच की थी। अधिकारियों के मुताबिक, चोरी के शक में दो छात्राओं को नग्न कर उनकी जांच की गई और उन्हें प्रताड़ित किया गया।

छात्राओं के आरोप के बाद कॉलेज प्रशासन ने फैक्ट-फाइंडिंग कमेटी बनाई है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने कहा कि आरोप है कि 02 मई को नर्सिंग कॉलेज की दो छात्राओं को कपड़े उतराने के लिए मजबूर किया गया। पता चला है कि हॉस्टल वार्डेन के बैग में रखे 8000 रुपए कहीं खो गए थे।

वार्डन को शक था कि इन्हीं दोनों छात्राओं ने यह पैसे चुराए हैं। इन दोनों छात्राओं के कपड़े उतार कर उनकी चेकिंग की गई लेकिन कुछ भी नहीं मिला। इस मामले में जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि सामने है कि कॉलेज प्रशासन ने फैक्ट-फाइंडिंग कमेटी बनाई है।

लड़कियों का आरोप,फ्लाइट में चढ़ने से पूर्व पब्लिक में कपड़े बदलने को मजबूर किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दो महिलाओं के एक दावे से एयरलाइन कंपनी पर सवाल उठ रहे हैं। इन्होंने कहा है कि एक एयरलाइन कर्मचारी ने इन्हें पब्लिक में सबके सामने कपड़े बदलने को मजबूर किया है। इस दौरान हर कोई इन्हें देख पा रहा था। अपनी फ्लाइट समय पर पकड़नी थी, इसलिए मजबूरन ऐसा करना पड़ा। मामला अमेरिका के लास वेगास का है। लड़कियों ने अमेरिकन एयरलाइन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इंडिपेंडेंट यूके की रिपोर्ट के अनुसार, क्रिसी मायर ने घटना की जानकारी ट्वीट करके दी है। इसमें उन्होंने कहा है कि लास वेगास के हैरी रीड इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इनके साथ बदसलूकी की गई। इस मामले को लेकर अमेरिकन कॉमेडियन मायर ने 02 मई को ट्वीट किया।

अब 9 तक नहीं उड़ेगी तंगहाल गो फर्स्ट फ्लाइट, बुकिंग पर प्रतिबंध

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आर्थिक संकट से जूझ रही गो फर्स्ट एयरलाइन ने गुरुवार को 9 मई तक की अपनी सभी उड़ाने रद्द कर दी हैं। एयरलाइन ने 15 मई तक के फ्लाइट टिकट की बुकिंग भी रोक दी है। इससे पहले सोमवार को गो फर्स्ट ने 3, 4 और 5 मई के लिए फ्लाइट्स कैंसिल करने की बात कही थी। इससे यात्री भी परेशान हो रहे हैं। डीजीसीए ने गो फर्स्ट के खिलाफ सख्त रुख दिखाते हुए फ्लाइट्स कैंसिल होने के बाद यात्रियों को उनका पैसा तुरंत लौटाने को कहा है।

गो फर्स्ट की वेबसाइट के अनुसार एयरलाइन रोजाना 27 घरेलू और 8 इंटरनेशनल डेस्टिनेशन के लिए 200 से ज्यादा फ्लाइट ऑपरेट करती थी। एयरलाइन ने भी टिकटों का पैसा वापस करने की बात कही है। रिफंड ओरिजिनल पेमेंट मोड के जरिए किया जाएगा। मतलब, जिन लोगों ने क्रेडिट कार्ड के माध्यम से टिकट का पेमेंट किया है, उनके क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट में रिफंड दिखाई देगा। वहीं जिन्होंने यूपीआई और नेट बैंकिंग से पेमेंट किया है, उन्हें रिफंड सीधे उनके अकाउंट में मिलेगा। एनसीएलटी का राहत देने से इनकारकर्ज संकट में फंसी विमानन कंपनी गो फर्स्ट की परेशानियां फिलहाल समाप्त नहीं होने वाली हैं। एनसीएलटी के पास पहुंची कंपनी को गुरुवार को निराशा हाथ लगी है। याचिका पर सुनवाई करते हुए अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया कि आईबीसी के तहत ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।

गो फर्स्ट फ्लाइट के रद्द होने से जयपुर हवाईअड्डे पर मच गई अफरातफरी

जयपुर, (एजेंसी)। देश के अन्य सभी हवाईअड्डों की तरह, वाडिया समूह के स्वामित्व वाली गो फर्स्ट एयरलाइन द्वारा 3 मई से 9 मई तक सात दिनों के लिए सभी उड़ानें निलंबित किए जाने का जयपुर हवाईअड्डे पर यात्रियों के बीच अफरातफरी मच गई। यहां से गोवा, मुंबई और बेंगलुरु के लिए उड़ानें निलंबित हो गई हैं। मंगलवार को एयरलाइन ने कहा था कि उसने दिवाला समाधान के लिए अर्जी दायर की है, क्योंकि यह अब अपने वित्तीय दायित्वों को पूरा करना जारी नहीं रख सकती। इसने अमेरिकी कंपनी प्रैट एंड व्हिटनी के दोषपूर्ण इंजन को अपने बेड़े के 50 प्रतिशत के ग्राउंडिंग के लिए जिम्मेदार ठहराया। जयपुर हवाईअड्डा प्रशासन के मुताबिक, एयरलाइन ने तीन मई से पांच मई तक हवाईअड्डे से उड़ानें बंद करने की घोषणा करते हुए एक पत्र लिखा था, जिसे गुरुवार को नौ मई तक बढ़ा दिया गया। एयरलाइन ने ट्वीट किया, परिचालन संबंधी कारणों से, गो फर्स्ट उड़ानें 9 मई, 2023 तक रद्द कर दी गई हैं।

आरआरआर रणनीति से बढ़ी जनपद में महिला नसबंदी की संख्या

परिवार नियोजन की बास्केट ऑफ च्वॉइस पर भी विभाग का पूरा जोर

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। जनपद में शिशु व मातृ मृत्यु दर में कमी लाने और सीमित व खुशहाल परिवार के उद्देश्य को पूरा करने के लिए परिवार कल्याण कार्यक्रम को निरंतर गति दी जा रही है` स्वास्थ्य टीम के लगातार प्रयास से जनपद में महिला नसबंदी का ग्राफ बढ़ा है परिवार नियोजन के अन्य स्थायी साधन (पुरुष नसबंदी) और अस्थायी साधन (गर्भनिरोधक) के लिए बास्केट ऑफ च्वॉइस पर भी पूरा जोर दिया जा रहा है यह कहना है मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ संदीप चौधरी का सीएमओ ने बताया कि आरआरआर यानि रिव्यू, रिमाइंड और रिजल्ट की रणनीति से परिवार कल्याण कार्यक्रम को गति दी जा रही है इसमें जनपद स्तरीय सभी शहरी व ग्रामीण स्तरीय स्वास्थ्य केन्द्रों की नियमित समीक्षा (रिव्यू) की जा रही है इसमें नियत दिवस, अंतराल दिवस (हर शुक्रवार) और खुशहाल परिवार दिवस (21 तारीख) की उपलब्धियों का गहन मूल्यांकन व डाटा अध्ययन किया जा रहा है इसमें कमी पाई जाने पर सभी चिकित्सा अधीक्षकों, प्रभारी चिकित्साधिकारियों, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (एचईओ), ब्लॉक कार्यक्रम प्रबन्धक (बीपीएम), ब्लॉक सामुदायिक प्रक्रिया प्रबन्धक (बीसीपीएम), ब्लॉक अकाउंट मैनेजर, डाटा ऑपरेटर, एएनएम, आशा कार्यकताओं व संगिनियों को अनुस्मरण (रिमाइंड) कराया जा रहा है इसके साथ ही उपलब्धि का अपेक्षित स्तर (ईएलए) को पूरा करने का निर्देश दिया जा रहा है इसका परिणाम (रिजल्ट) यह देखने को मिल रहा है कि वित्तीय वर्ष 2018-19 में जनपद में महिला नसबंदी की संख्या 6,679 थी जो 2022-23 में बढ़कर 9,456 हो गई वहीं अप्रैल 2021 की बात करें तो इस माह 142 महिला नसबंदी हुईं, अप्रैल 2022 में 196 और अप्रैल 2023 में 301 नसबंदी हुई हैं। इसके साथ ही पुरुष नसबंदी की बात करें तो वर्ष 2017-18 में पुरुष नसबंदी की संख्या 25 थी जो 2022-23 में बढ़कर 98 हो गई सीएमओ ने कहा कि महिला व पुरुष नसबंदी के अलावा अस्थायी साधनों जैसे अंतरा तिमाही गर्भ निरोधक इंजेक्शन, छाया साप्ताहिक गर्भ निरोधक गोली, आईयूसीडी (कॉपर-टी), कंडोम आदि सेवाओं पर भी पूरा जोर दिया जा रहा है परिवार नियोजन के आधुनिक साधन अंतरा व छाया में महिलाओं की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है अंतरा की बात करें तो वर्ष 2019-20 में इसकी संख्या 6,887 थी जो वर्ष 2023 में बढ़कर 13,358 हो गई है छाया की संख्या वर्ष 2019 में 3853 थी जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 39,182 हो गई है कॉपर-टी की संख्या वर्ष 2019-20 में 9,804 थी जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 13,358 हो गई है वहीं कंडोम की बात करें तो वर्ष 2019-20 में इसकी संख्या 6,11,748 थी जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 10,83273 हो गयी है परिवार कल्याण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी व डिप्टी सीएमओ डॉ एचसी मौर्य ने बताया कि परिवार नियोजन के साधनों को अपनाने के लिए लाभार्थियों को प्रोत्साहन राशि भी दी जाती है` पुरुष नसबंदी कराने पर लाभार्थी को 3000 रुपये, प्रसव पश्चात महिला नसबंदी कराने पर 3000 रुपये एवं सामान्य महिला नसबंदी पर 2000 रुपये, आईयूसीडी व पीपीआईयूसीडी लगवाने पर 300 रुपये और अंतरा की एक डोज लगवाने पर 100 रुपये लाभार्थी को दिये जाते हैं लाभार्थी को स्वास्थ्य केंद्र तक लाने के लिए आशा कार्यकताओं को भी प्रोत्साहन राशि दी जाती है उन्होंने बताया कि जनपद में महिला व पुरुष नसबंदी की सुविधा ब्लॉक व नगर स्तरीय सभी सीएचसी-पीएचसी तथा जिला पुरुष व महिला चिकित्सालय पर मौजूद है इसके अलावा प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र पर अस्थाई साधन की सुविधा उपलब्ध है जिला स्वास्थ्य शिक्षा व सूचना अधिकारी हरिवंश यादव ने कहा कि परिवार कल्याण कार्यक्रम को लेकर समुदाय को जागरूक करके उनका व्यवहार परिवर्तन करने में एचईओ, बीपीएम, बीसीपीएम, एएनएम, आशा कार्यकताओं व संगिनी अहम भूमिका निभा रही हैं यूपीटीएसयू के जिला परिवार नियोजन विशेषज्ञ, पीएसआई इंडिया व सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) संस्था का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

संक्षिप्त खबरें

बीसी सखी डिजिटल ट्रांजैक्शन के बारे में कैंप लगाकर किया गया जागरुक

प्रखर केराकत जौनपुर। विकासखंड मुफ्तीगंज क्षेत्र के अंतर्गत सरकी गाँव में स्थित प्राथमिक विद्यालय पर बुधवार को बीसी सखी डिजिटल ट्रांजैक्शन कैंप का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि आरबीआई प्रोजेक्ट वित्तीय साक्षरता सेंटर प्रभारी आशुतोष पांडे ने उपस्थित लोगों को जागरूप करते हुए उक्त बातें कही। इस कैंप के माध्यम से डिजिटल ट्रांजैक्शन के बारे में लोगों को बताया गया बैंक खाता धारको को अब बैंक जाने की जरूरत नही है। अब गांव के ही सचिवालय पर आसानी से पैसा प्रापत किया जा सकता है। वह बीमारी से ग्रसित अन्य कारणों से सचिवालय में पहुंचने में असमर्थ महिला या पुरुषों को स्वयं बीसी सखी घर पर जाकर पैसा मुहैया कराएंगी। इस मौके पर अनुज गुप्ता कोऑर्डिनेटर मुफ्तीगंज, प्रधान पति राजदेव राम, उमाकांत सिंह, डॉ फिरेन्द्र यादव, अशोक यादव, राधेश्याम यादव सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

समय के अनुसार कार्य करने से मिलती है सफलता, सिद्धांतो के आधार पर कार्य मुश्किल हो जाते हैं : डॉ मदन मोहन मिश्र

प्रखर केराकत जौनपुर। क्षेत्र के ग्राम तेजपुर के मोलनापुर में पण्डित श्याम नारायण पाण्डेय के आवास पर आयोजित सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा एवं तीर्थ प्रसाद के प्रथम दिन कथा वाचक श्री परम् भागवत डॉ मदन मोहन मिश्र ने कहा कि श्रीमद भागवत सभी समस्याओं का समाधान है, वर्तमान का मोह भविष्य का भय भूत का शोक दूर होता है। भक्ति ज्ञान और वैराग्य से ही मानव का सच्चा कल्याण होता है। बच्चों को कार्य दे चाहे ना दे संस्कार जरूर दे। वही कथा के दौरान कथा वाचक श्री मदन मोहन मिश्र ने कहा कि सिद्धांतो के आधार पर कार्य मुश्किल हो जाते है। समय के अनुसार कार्य करने से सफलता मिलती है। इस रामअवध तिवारी, आचार्य चन्दन तिवारी, पंकज सिंह, सुतीक्ष्ण तिवारी, अमृत लाल यादव, डॉ अमित कुमार मिश्रा, रामचन्द्र मिश्रा, शशि कुमार पाण्डेय, हृदय नारायण पाण्डेय, ममता पाण्डेय, नूतन पाण्डेय, जगत नारायण सिंह, सत्यम मिश्रा समेत तमाम श्रोतागण उपस्थित रहे।

पूर्व सांसद अफजाल अंसारी का शस्त्र लाइसेंस हुआ निरस्त

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर।जनपद गाजीपुर पुलिस द्वारा माफियाओ कि विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत शासन स्तर पर चिन्हित कुख्यात अपराधी आईएस गैंग के सरगना मुख्तार अंसारी का भाई व पूर्व सांसद अफजाल अंसारी पुत्र सुभानउल्लाह अंसारी निवासी दर्जी टोला युसुफपुर थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर को गाजीपुर पुलिस द्वारा उत्तर प्रदेश गैंगेस्टर एक्ट थाना मुहम्मदाबाद द्वारा की गयी प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप माननीय न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायालय चतुर्थ गाजीपुर द्वारा गत दिनांक 29 अप्रैल 2023 को दोष सिद्ध करार करते हुए 04 वर्ष का कारावास व 01 लाख रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाये जाने के परिणामस्वरुप पूर्व सांसद अफजाल अंसारी के नाम से जारी 03 शस्त्र लाइसेन्स क्रमश 1242/P-II थाना मुहम्मदाबाद, 1188/ P-II थाना मुहम्मदाबाद, 1241/P-II थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर बुधवार को जिलाधिकारी गाजीपुर आर्यका अखौरी द्वारा निरस्त किया गया।

ग्राम प्रधान ने किया अमृत सरोवर तालाब का भूमि पूजन

प्रखर महराजगंज जौनपुर। स्थानीय विकासखण्ड महराजगंज के ग्राम पंचायत कठार में ग्राम प्रधान रिंकी अवनीश सिंह द्वारा अमृत सरोवर तालाब का भूमि पूजन किया गया वही भूमि पूजन के दौरान ग्राम प्रधान ने कहा कि यह कार्य सरकार की अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत कराया जा रहा है जिसमे वर्षा जल संग्रहण होगा, जल का संवर्धन होगा ग्रामीण आजीविका संसाधनों में वृद्धि होगी, पर्यावरण के अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण होगा तथा प्राकृतिक सुन्दरता के एक नये दृश्य का सृजन होगा। इस मौके पर आलोक सिंह विजय सिंह राकेश जायसवाल स्वेत रंजन त्रिगुनायत जीत लाल जायसवाल प्रकाश जायसवाल अमित सिंह ,अमित स्पोर्ट पवन सिंह सौरभ सिंह छोटू महेंद्र राठौर लेखपाल अनिल यादव अध्यापक नरेंद्र जायसवाल संजीव सिंह दिलीप सिंह आदि मौजूद रहे!

31 लाख की लागत से बनेगा स्वास्थ्य उपकेंद्र, प्रधान प्रतिनिधि ने रखी आधारशिला

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिले के रेवतीपुर ब्लाक अंतर्गत गौरा गांव में शासन के निर्देश पर 31 लाख की लागत से बनने वाले एएनएम सेंटर की आधारशिला पूरे वैदिक मंत्रोचार के साथ प्रधान प्रतिनिधि सत्येंद्र राय ने रखी। इस दौरान ग्रामीणों की भारी भीड़ मौजूद रही। ग्रामीणों के अनुसार इसका निर्माण पूरा हो जाने के बाद अब दूसरे स्वास्थ्य केंद्र पर नहीं जाना पड़ेगा 24 घंटे उपचार संबंधी सारी व्यवस्था मौजूद रहेगी। इसके निर्माण में जुटी कार्यदाई संस्था फैक्स पेड़ के अधिकारियों के अनुसार 2 बिस्वा जमीन में बनने वाले इस अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित स्वास्थ्य उपकेंद्र का निर्माण अगले 3 माह में पूरा किए जाने का निर्देश है। एक्सपेंड के एसडीओ इंद्रासन सिंह ने बताया बनने वाले इस स्वास्थ्य उपकेंद्र में तीन कमरे, हाल, बाउंड्री वाल, शौचालय, पेयजल, ऑफिस आदि की सुविधाएं मौजूद रहेंगी। स्थानीय लोगों को टीकाकरण प्रसव व अन्य स्वास्थ्य सेवाओं के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा शासन के निर्देश के तहत इसके निर्माण में उच्च क्वालिटी की सामग्रियों का उपयोग किया जाना है इस अवसर पर ग्राम प्रधान अरुंधति राय, फुल्लन राय, भुल्लन यादव, अंजनी, बिशुनी राम, जगदीश कुशवाहा, श्री कृष्ण राम आदि मौजूद रहे।

नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन को सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत अति संवेदनशील-प्लस

प्रखर मीरजापुर। नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 में नगर पालिका परिषद मीरजापुर, चुनार, अहरौरा एवं नगर पंचायत कछवां के अध्यक्ष/सदस्यो के निर्वाचन को शान्तिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से सम्पन्न कराने के लिये जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट दिव्या मित्तल के द्वारा निकायवार अति संवेदनशील-प्लस चयनित मतदान केन्द्रो पर स्टैटिक मजिस्ट्रेटो की तैनाती की गयी हैं। स्टैटिक मजिस्ट्रेटो की तैनाती आदेश के तहत नगर पालिका मीरजापुर के तहत वार्ड संख्या-13 विन्ध्याचल में मतदान केन्द्र 20-महेश भट्टाचार्य प्राथमिक पाठशाला विन्ध्याचल पर स्थित मतदेय स्थल संख्या-72, 73, 74, 75 एवं 76, वार्ड संख्या-17 पुरानी दशमी एवं वार्ड संख्या-18 अनगढ़ के मतदान केन्द्र संख्या-28 गुरूनानक इण्टर कालेज आवास विकास कालोनी के मतदेय स्थल 99, 100, 101,107, 108 व 109, एवं मतदान केन्द्र-30 दूरसंचार केन्द्र नई बिलिडिंग अनगढ़ मतदेय स्थल 102, 103, 104, 105 एवं 106, मतदान केन्द्र-29 सेवायोजन कार्यालय अनगढ़ रोड मतदान स्थल संख्या-110, 111, 112 एवं 113, वार्ड संख्या-26 घुरहूपट्टी मतदान केन्द्र संख्या-45 आंगनबाड़ी केन्द्र घुरहूपट्टी मतदेय स्थल-164, वार्ड संख्या-28 कंतित मतदान केन्द्र संख्या-51 पंडित रामचन्द्र मिश्र इण्टर कालेज मतदेय स्थल 173, 174, 175, 176 एवं 177 एवं मतदान केन्द्र संख्या-52 श्री बलराजी सेवा संस्थान दूधनाथ तिराहा मतदेय स्थल-178, 179 पर स्टैटिक मजिस्ट्रेटो की तैनाती की गयी हैं। इसी प्रकार नगर पालिका परिषद अहरौरा के वार्ड संख्या-5 मिश्र पोखरा मतदान केन्द्र संख्या-3 मतदेय स्थल-5 पर स्टैटिक मजिस्ट्रेटो की तैनाती की गयी हैं। समस्त स्टैअिक मजिस्ट्रेटो का प्रशिक्षण 06 मई 2023 को अपरान्ह 02:00 बजे से ए0एस0 जुबली इण्टर कालेज में सम्पन्न कराया जायेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी स्टैटिक मजिस्ट्रेटो को निर्देशित करते हुये कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में समय से प्रतिभाग करे तथा मतदान दिवस के एक दिन पूर्व मतदान केन्द्र पर उपस्थित होकर उसकी आख्या जिला निर्वाचन कार्यालय नगरीय निकाय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

15 स्वयं सहायता महिला समूहों ने मिलकर एक ग्राम संगठन का किया निर्माण

प्रखर चिरईगांव वाराणसी। ग्राम सभा नरायनपुर में बाला जी महिला ग्राम संगठन का हुआ गठन,15 स्वयं सहायता महिला समूहों को मिलाकर एक ग्राम संगठन का निर्माण हुआ। जिसमे अध्यक्ष कविता और सचिव अर्चना को बनाया गया। संगठन उद्गाटन दीप प्रज्जवलन से प्रारंभ हुआ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सामाजिक सद्भाव प्रमुख अवनीश पाठक ने कहा कि महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को शैक्षिक एवं वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त हुई है और वे सामाजिक अन्याय के खिलाफ भी खड़ी हुई हैं। इन महिलाओं ने सकारात्मक परिवर्तन का सूत्रधार बनकर अन्य महिलाओं को भी शिक्षित व सशक्त बनाकर उनको अपनी आवाज व पहचान दिलाने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं और ग्रामीण विकास की एक मजबूत कड़ी बनकर उभर रही है। कार्यक्रम में मुख्य रुप से बी एम एम पूजा तिवारी,पुष्पा देवी समूह सखी सिमा यादव,आरती देवी समेत सैकड़ो ग्रामीण महिला उपस्थित रही।

करंट की चपेट में आने से भतीजे की मौत, चाचा घायल

प्रखर बदलापुर जौनपुर। कोतवाली क्षेत्र के बड़ेरी गांव में घर के पीछे गिरे केबल तार को मोड़कर रखते समय विद्युत करंट की चपेट में आने से भतीजे की मौत हो गई। वही झुलस कर चाचा भी घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार बड़ेरी गांव निवासी विजय बहादुर सिंह अपने घर के पीछे रात में आंधी तूफान से गिरे केबल तार को मोड़ रहे थे। केबल तार बीच में कही पर कटे होने से उसमें धारा प्रवाहित हो रही थी। जिससे केबल तार को मोड़ रहे विजय बहादुर करंट की चपेट में आ गए। वही चाचा को करंट से झुलसते देख बचाने के लिए दौड़े भतीजे संतोष सिंह (43) भी करंट की चपेट में आ गए। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई में जुटी हुई है।

समाजवादी पार्टी ने विजयश्री के लिए बनाई रणनीति

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के नगर इकाई के कार्यकताओं एवं प्रत्याशियों की एक आवश्यक बैठक नगर अध्यक्ष एवं नगरपालिका परिषद गाजीपुर के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार दिनेश यादव के गोराबाजार स्थित आवास पर आयोजित हुई। इस बैठक में मतपेटी की निगरानी एवं मतगणना कार्य के सम्बन्ध में कार्यकताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। इसके साथ साथ भाजपा के जुल्म-ज्यादती और फर्जीवाड़े के खिलाफ पुरजोर विरोध एवं संघर्ष के लिए कार्यकताओं को बधाई दी गयी। इस बैठक में कार्यकताओं का उत्पीड़न करने के लिए पुलिस प्रशासन की घोर निंदा की गयी। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष रामधारी यादव ने कहा कि इस चुनाव में कार्यकताओं की मेहनत और समर्पण के चलते पार्टी जीत के करीब है। आपकी मेहनत जाया नहीं जायेगी । उन्होंने कहा कि किसी से निरर्थक और बेवजह बहस से बचने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कल जिस तरह से शासन सत्ता के दबाव में पुलिस

सपा कार्यकताओं को बेवजह उठाने का काम कर रही थी और विधान परिषद सदस्य विशाल सिंह चंचल और पुर्व नगरपालिका चेयरमैन विनोद अग्रवाल एक साथ गाड़ी में बैठकर बिना अनुमति के लम्बी गाड़ियों के काफिले के साथ हर मतदान केंद्र पर जाकर बूथ लूटने का प्रयास कर रहे थे उनकी यह नापाक और अलोकतांत्रिक हरकत नगर की जनता को अच्छी नहीं लगी जिसके चलते मतदाताओं ने समाजवादी पार्टी के पक्ष में जमकर मतदान किया। भाजपा के लोगों ने चुनाव आचार संहिता का घोर उल्लंघन किया। उन्होंने कहा कि जिस तेवर और जज्बे के साथ अब तक आपने यह लड़ाई लड़ी है,उसे बरकरार रखने की जरूरत है। इस बैठक में मुख्य रूप से जिला मीडिया प्रभारी अरुण कुमार श्रीवास्तव, गोपाल यादव,कन्हैया लाल विश्वकर्मा, अशोक अग्रहरि, राजेश कुमार यादव,अमलदारी यादव, छन्नू यादव,अभिनव सिंह , नफीसा बेगम,जुलैखा बेगम, ओपी यादव,मोहन रावत, आदि उपस्थित थे। इस बैठक का संचालन पुर्व सभासद दिनेश यादव ने किया।

समाजसेवी विवेक कुमार सिंह शम्मी का सपा से मोहभंग, विधायक जै किशन साहू पर लगाया आरोप

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नगर निकाय चुनाव के बाद चट्टी चौराहों पर चचाओं का बाजार जहां गर्म है वहीं समाजवादी पार्टी से जुड़े समाजसेवी विवेक कुमार शम्मी ने अपने ट्विटर हैंडल से पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा देने की घोषणा कर चचाओं का बाजार और गर्म कर दिया है।

शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष विवेक कुमार शम्मी ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव को लिखे पत्र में कहा है कि विगत 7 वर्षों से संगठन व पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए मेरे व मेरे परिवार द्वारा जितना संघर्ष व त्याग हो पाया है पार्टी हित में काम किया है। स्थानीय निकाय चुनाव 2012 में मै निर्दल प्रत्याशी था व मुझे 4200 मत प्राप्त हुए थे एवं 2017 में महिला सीट हो जाने के कारण समाजवादी पार्टी द्वारा मेरी माता प्रेमा सिंह पुत्री स्व विश्वनाथ सिंह गहमरी (पूर्व सांसद) को समाजवादी पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया गया था, जिससे मेरी माता जी द्वारा

13000 मत प्राप्त करके दूसरा स्थान पाया गया था। जो आजादी के बाद हुए सभी स्थानीय निकाय चुनाव में समाजवादी पार्टी द्वारा नगर पालिका परिषद गाजीपुर के चुनाव में अर्जित किया गया सर्वाधिक मत था। मैंने पिछले 5 वर्षों में पार्टी द्वारा जो भी आंदोलन या कार्यक्रम किए गए उसमें मैंने निष्ठा पूर्वक भाग लिया तथा मैं समाजवादी पार्टी के लिए हमेशा समर्पित रहा।

प्रेषित पत्र में उन्होंने कहा है कि वर्तमान में हुए नगर निकाय चुनाव में गाजीपुर नगर की सीट सामान्य घोषित की गई तथा मेरे द्वारा प्रत्याशी बनने का आवेदन किया गया था। परंतु सदर विधायक जै किशन साहू द्वारा साजिश कर-के भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी को जीत दिलाने के उद्देश्य से व्यक्तिगत हित में पार्टी हित से ऊपर रखते हुए टिकट निर्धारण में आप द्वारा बनाई गई कोर कमेटी की संस्तुति को भी दरकिनार करते हुए प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल जी को पार्टी के लिए कोई भी काम ना करने की धमकी देते हुए उनके हिसाब से टिकट न मिलने की स्थिति में प्रदेश अध्यक्ष से स्वयं को चपरासी बनाने की बात करते हुए अनावश्यक दबाव बनाकर साजिशन मेरा टिकट कटवाने का कार्य सदर विधायक जै किशन साहू द्वारा किया गया। जिसका साक्ष्य स्वरूप वीडियो भी मेरे पास उपलब्ध है। सदर विधायक द्वारा एक कार्यकर्ता से टिकट वितरण में किए गए ऐसे व्यवहार से मैं काफी मर्माहत व आहत हूं। आज मैं आहत मन से अपने पूरे परिवार सहित सदर विधायक जय किशन साहू के विधानसभा सदस्य रहने तक समाजवादी पार्टी से इस्तीफा देता हूं।

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने पत्रकार शरद राय को दिया 'वाग्धारा सम्मान'

प्रखर भदोही। मायानगरी मुम्बई में फिल्म पत्रकारिता करने वाले चर्चित पत्रकार शरद राय को केरल के राज्यपाल महामहिम आरिफ मोहम्मद खान ने वाग्धारा सम्मान से सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने राय को ट्रॉफी और शाल देकर सम्मानित किया। यह समारोह अंधेरी चार बंगला स्थित मुक्ता आडोटोरियम में वाग्धारा संस्था की तरफ से आयोजित हुआ। बॉलीवुड में फिल्म पत्रकारिता करने वाले चर्चित एवं बरिष्ठ पत्रकार शरद राय मूलतः भदोही जिले के पल्हैया गांव से है। शरद राय बॉलीवुड में एक खोजी पत्रकार के रूप में अपनी पहचान रखते हैं। वह पत्रकारों की संस्था भारतीय पत्रकार विकास परिषद के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। पिछले 40 वर्षों से वह देश के लगभग सभी दैनिक व सप्ताहिक पत्र-पत्रिकाओं के लिए लेखन कार्य करते रहे हैं। शरद राय के कई कॉलम बहुत पॉपुलर रहे हैं। पूर्व में उनको तमाम संस्थाओं द्वारा सम्मान और ट्रॉफियों से नवाजा जा चुका है। जिनमे प्रमुख रूप से भारत रत्न डॉ बीआर अम्बेडकर अवार्ड,

मुम्बई ग्लोबल अवार्ड, पत्रकार संघ अवार्ड आदि हैं। लॉकडाउन के दिनों में जब कोविड महामारी का दौर था उस दौरान उन्होंने जोरदार रिपोर्टिंग किया। इसके अलावा महामहिम राज्यपाल द्वारा देश भर से विभिन्न व्यवसाय से जुड़े 20 लोगों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए 'राष्ट्रीय सेवा सम्मान' से पुरस्कृत किया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं